राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 159 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | रायपुर, मंगलवार 12 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मोदी का ट्रम्प को करारा जवाब : भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर, उपलब्धियों का परचम लहरा रहा

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया बयान का बिना नाम लिए जवाब दिया। मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हम 10वें नंबर से टॉप 5 में पहुंचे हैं और जल्द ही टॉप 3 में होंगे। यह ताकत देश में हुए रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के कारण मिली है। उन्होंने कहा कि देश की उपलब्धियां अब आसमान में परचम लहरा रही हैं। यह बयान उस समय आया जब ट्रम्प ने 31 जुलाई को भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताते हुए भारत पर 25त्न टैरिफ लगाया था। ट्रम्प ने कहा था कि भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्थाओं को डुबो लें, उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों की आतंकियों और पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर करने की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा है। इस अभियान की सफलता के पीछे भारत की तकनीक, मेक इन इंडिया और बेंगलुरु के युवाओं का योगदान अहम रहा।

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी का राहुल गांधी को नोटिस, 'दस्तावेज उपलब्ध कराने' का निर्देश

बेंगलुरु। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से लगातार चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसे लेकर कर्नाटक चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस भेजा है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को नई दिल्ली में 7 अगस्त को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए आरोपों की जांच के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए पत्र भेजा है। इस पत्र में कहा गया है कि आपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आपके प्रस्तुतीकरण में दिखाए गए दस्तावेज भारत के चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से हैं। आपने कहा है कि यह चुनाव आयोग का डेटा है।

मुख्यमंत्री साय ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को दी 186 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

जन सुविधाओं का सतत विस्तार हमारी प्राथमिकता: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा: भारत माता चौक से कोसीर चौक तक 5 करोड़ से बनेगा गौरव पथ, सारंगढ़ में 3 करोड़ में बनेगा पीजी कॉलेज भवन

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत सारंगढ़ के शासकीय लोचन प्रसाद पांडे महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 96 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 90 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिले को 186 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले में विभिन्न जनसुविधाओं के विस्तार के लिए 13.40 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों की घोषणा मंच से की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सांसद के रूप में उन्होंने लंबे समय तक सारंगढ़ की सेवा की है और अब प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ को विकास पथ आर अग्रसर करने के दायित्व को विगत डेढ़ वर्षों से पूर्ण लगन और समर्पण के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने की दिशा में सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3,100 रुपये की दर से खरीदा जा रहा है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है और तीव्र गति से हितग्राहियों के मकानों का निर्माण हो रहा है, जिसकी गति इतनी तेज है कि गांवों में राजमिस्त्री और सेंटरिंग प्लेट की भी कमी महसूस होने लगी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना से प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है। हर माह मिलने वाली राशि से महिलाएं अपना खुद का व्यवसाय भी प्रारंभ कर रही हैं। सारंगढ़ जिले के दानसरा की माताओं और बहनों ने महतारी वंदन की राशि से अपने गांव में राम मंदिर निर्माण की पहल की है, जिसे आज पूरा प्रदेश जानता है। तेंदूपत्ता खरीदी के दाम बढ़ाए गए हैं। 5.62 लाख कृषि भूमिहीन मजदूरों को 10-10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। श्री रामलला दर्शन योजना से अब तक 22 हजार श्रद्धालु अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। राजस्व और जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार पिछले डेढ़ वर्षों में प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सभी जगह विकास कार्यों को गति देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में करोड़ों की विकास कार्यों की सौगात मिलने से यहां जनसुविधाओं में वृद्धि होगी।

फर्जी तलाक से सरकारी नौकरी का खेल : आरएसएसबी और एसओजी की जांच तेज

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के दायरे में हो रहा फर्जीवाड़ा अब एक नए रूप में सामने आया है। तलाकशुदा महिलाओं के लिए आरक्षित 2प्रतिशत कोटे का लाभ लेने के लिए कई महिलाओं ने कथित तौर पर फर्जी तलाक लिया और कम कटऑफ के जरिए नौकरी हासिल की। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (त्रस्स्क्च) के अध्यक्ष आलोक राज ने इस पर गंभीर चिंता जताई है और साफ कहा है कि यदि जांच में गड़बड़ी पाई गई तो कार्रवाई तय है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अब स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (स्ह्रत्र) भी जांच में उतरने जा रहा है। राज्य में पहले ही फर्जी डिग्री और डिप्लोमा के आधार पर नौकरी पाने के कई मामले सामने आ चुके हैं, और अब फर्जी तलाक का मामला भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है।

आलोक राज के अनुसार, पिछले कुछ समय से यह देखा गया है कि तलाकशुदा कोटे की कटऑफ अन्य श्रेणियों की तुलना में काफी कम होने के कारण कुछ उम्मीदवार केवल कागजों में तलाक लेकर नौकरी में चयनित हो रहे थे। इस संदर्भ में अब तक 12 से अधिक शिकायतें बोर्ड को मिल चुकी हैं। इनकी जांच आसान नहीं है क्योंकि हर मामला अलग परिस्थितियों और दस्तावेजों से जुड़ा हुआ है।

त्रस्स्क्चअध्यक्ष का कहना है कि वे विशेषज्ञों और स्ह्रत्र के साथ मिलकर एक सघन जांच अभियान शुरू करने की तैयारी में हैं, जिससे यह पता लगाया जा सके कि किन अभ्यर्थियों ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी पाई। अधिकारियों के मुताबिक, यदि इस तरह के मामले प्रमाणित होते हैं, तो न केवल नियुक्ति रद्द होगी बल्कि आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

यह मामला सिर्फ भर्ती प्रक्रिया की साख के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह उन वास्तविक तलाकशुदा महिलाओं के अधिकारों का भी हनन है जो इस कोटे पर आश्रित हैं। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि आने वाले समय में दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया और अधिक कठोर की जा सकती है, ताकि भविष्य में इस तरह की हेराफेरी रोकी जा सके।

डूबते को 'मुर्दे' का सहारा, गंगा में डूब रही महिला ने पकड़ ली बहती लाश, 7 किमी दूर जाकर मौत से जीती जंग

भागलपुर। जाको राखे साइयां मार सके ना कोय, यह कहावत बिहार के भागलपुर में बिलकुल सच साबित हुई है। जहां एक महिला गंगा की तेज धार में बह गई। दूर तक बह जाने के बाद महिला ने एक लाश को पकड़ लिया। इस दौरान वह 7 किलोमीटर दूर चली गई और महिला की जान बच गई। दरअसल, मुंगेर के बरियारपुर की रहने वाली कुमकुम देवी सुल्तानगंज स्थित नमामि गंगे घाट पर गंगा स्नान कर रही थीं, तभी गंगा की तेज धार में वह बह गईं। जब उनकी बचने की उम्मीद खत्म हो गई थी, तभी गंगा की बीच धार में उन्हें एक मुर्दा मिला। कुमकुम देवी ने हिम्मत नहीं हारी और उस मुर्दे को ही अपना सहारा बना लिया।

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च

राहुल-प्रियंका,अखिलेश को हिरासत में लिया, 2 घंटे बाद छोड़ा; प्रदर्शन के दौरान 2 महिला सांसद बेहोश हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर वेरिफिक्शन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा कर दिया गया।

हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। ये एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है, इसलिए हमें साफ वोटर लिस्ट चाहिए। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार डरी हुई है और कायर है। मार्च के दौरान अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश की। जब सांसदों को आगे नहीं जाने दिया गया तो वे जमीन पर बैठ गए। प्रियंका, डिंपल समेत कई सांसद 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाते दिखे। प्रदर्शन के दौरान ञ्जरूष्ट सांसद मिताली बाग और महुआ मोइत्रा की तबीयत बिगड़ गई। बेहोश हो गईं। राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने उनकी मदद की। इससे पहले दोनों सदनों में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ। मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में 'वोट बचाओ' के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया।

ईसीआई ने वोट चोरी के सबूत को किया खारिज, लोगों को गुमराह कर रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वीडियो को शेयर कर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। भारत निर्वाचन आयोग फैक्ट चेक ने इस वीडियो को भ्रामक बताते हुए कहा कि राहुल गांधी लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान झूठे और भ्रामक हैं। राहुल गांधी कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया से बचने की कोशिश कर रहे हैं और नागरिकों को जितना हो सके गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर उन्हें नेटिजन्स (इंटरनेट पर सक्रिय लोग) के लिए प्रसारित की जा रही सूची पर सचमुच विश्वास है तो उन्हें कानूनी प्रक्रिया का पालन करने और बिना इंतजार किए सीईओ कर्नाटक को जवाब देने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। ईसीओ फैक्ट चेक ने कहा कि राहुल गांधी के पास दो विकल्प हैं। पहला, अगर वह अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं और मानते हैं कि चुनाव कर्मचारियों के विरुद्ध उनके आरोप सत्य हैं तो उन्हें विशिष्ट मतदाताओं के विरुद्ध दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने एवं निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 20(3)(ख) के अनुसार घोषणा या शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से की बात, सितंबर में दोनों नेता यूएनजीए में करेंगे मुलाकात

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लंबी और विस्तृत बातचीत की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि इस वार्ता में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेनी जनता के प्रति उनके गर्मजोशी भरे समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आगे कहा कि उन्होंने पीएम मोदी को रूस के हमलों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह रूसी सेना यूक्रेन के शहरों और गांवों को निशाना बना रही है। विशेष रूप से उन्होंने जापोरिजिया के बस स्टेशन पर हुए एक दिन पहले हुए हमले का जिक्र किया, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला जानबूझकर एक सामान्य शहरी ढांचे पर किया गया, जबकि इस समय युद्ध समाप्त करने के लिए कूटनीतिक संभावना मौजूद है।

जेलेंस्की के अनुसार, रूस युद्धविराम की इच्छा दिखाने के बजाय कब्जा और हत्याएं जारी रखने का संकेत दे रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत उनकी शांति बहाल करने की कोशिशों का समर्थन करता है और यह मानता है कि यूक्रेन से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान केवल यूक्रेन की भागीदारी के साथ होना चाहिए। उन्होंने अन्य वार्ताकार प्रारूपों को अप्रभावी बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास परिणाम नहीं देंगे। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों पर भी चर्चा की। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी ऊर्जा, विशेष रूप से तेल, के निर्यात को सीमित करना जरूरी है ताकि रूस की आर्थिक क्षमता घटाई जा सके और वह युद्ध जारी रखने के लिए वित्तपोषण न कर सके।

'आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर में रखें, अड़ंगा डालने वालों पर कार्रवाई करें', सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर के नागरिक प्रशासन और स्थानीय निकाय को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफकार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।

'आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई से कोई समझौता नहीं होना चाहिए'

लोगों पर आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज संक्रमण के कई मामले सामने आने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर इस मामले पर सुनवाई शुरू की थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा कि 'एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है।'

पीठ ने स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि 8 हफ्तों में वे आवारा कुत्तों को रखने के लिए आश्रय स्थल बनाने की जानकारी दें। अदालत ने कहा कि आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस काम में आड़े आए तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।

'दैनिक आधार पर कुत्तों को पकड़ने का रिकॉर्ड रखें'

पीठ ने ये भी कहा कि 'एमसीडी/एनडीएमसी और दिल्ली एनसीआर के संबंधित प्राधिकरण दैनिक आधार पर आवारा कुत्तों को पकड़ने का रिकॉर्ड रखें और पकड़े जाने के बाद एक भी आवारा कुत्ता वापस छोड़ा नहीं जाना चाहिए और सभी को आश्रय स्थल में रखा जाए।' पीठ ने कहा कि अगर इस मामले में लापरवाही की गई तो हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

अदालत ने कहा कि रेबीज और कुत्तों के काटने की घटनाओं के सभी मामले भी रिपोर्ट किए जाएं। आवारा कुत्तों के बारे में शिकायत मिलने के चार घंटे के भीतर कार्रवाई होनी चाहिए और कुत्तों की नसबंदी के बाद उन्हें वापस पुरानी जगह न छोड़ा जाए। पीठ ने कहा कि अगली सुनवाई पर रिपोर्ट पेश करें।

अदालत ने कहा कि रेबीज की वैक्सीन की उपलब्धता भी चिंता का कारण है। अदालत ने वैक्सीन की उपलब्धता की भी पूरी रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि करीब पांच हजार आवारा कुत्तों को रखने के लिए आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इन आश्रय स्थलों में पर्याप्त संख्या में लोगों को तैनात किया जाए, जो आवारा कुत्तों की नसबंदी करने और रेबीज के संक्रमण को रोकने के उपाय करें। शीर्ष अदालत ने ये भी कहा कि आवारा कुत्तों को स्टर्लाइज (नसबंदी) करने के बाद सड़कों या कॉलोनियों में वापस नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बड़ौदा आरसेटी में आज दिया जाएगा घरेलू वायरिंग का नि:शुल्क प्रशिक्षण

धमतरी (समय दर्शन)। बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बड़ौदा आरसेटी) धमतरी में 30 दिवसीय घरेलू वायरिंग का नि:शुल्क एवं आवासीय युक्त प्रशिक्षण 12 अगस्त से दिया जाएगा। इसके लिए 18 से 45 वर्ष तक के इच्छुक ग्रामीण बेरोजगार युवाओं से आवेदन मंगाए गए हैं। निदेशक, बड़ौदा आरसेटी ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए 35 सीटें आरक्षित हैं। प्रशिक्षण के दौरान बिजली उपकरण, वोल्टेज, एमसीबी, कनेक्शन, सीरीज और डायरेक्ट बोर्ड कनेक्शन, स्वीच वायरिंग, मास्टर स्विच वायरिंग, डायरेक्ट बोर्ड कनेक्शन, लॉज वायरिंग, हास्पिटल वायरिंग, घर वायरिंग, थ्री फेस इत्यादि की तकनीकी एवं प्रायोगिक जानकारी दी जाएगी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण में उद्यमिता संबंधी जानकारी भी दी जाएगी।

इसके लिए आवेदक को राशनकार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड की फोटो काफ्ी, 4 पासपोर्ट साईज के फोटो लेकर कम्पोजिट भवन के पीछे स्थित बड़ौदा स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में उपस्थित होने कहा गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नंबर 88394-68509 और 97559-17024 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में कक्षा 11वीं कॉमर्स की 2 सीटों पर प्रवेश के लिए 20 अगस्त तक आवेदन

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में कक्षा 11वीं कॉमर्स संकाय की 2 रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2025 तय की गई है। जिले के सभी कक्षा 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी, जो सत्र 2025-26 में प्रवेश लेना चाहते हैं, आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया ऑफ्लाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यम से की जा सकती है। विस्तृत जानकारी और मार्गदर्शन के लिए प्रभारी कृष्ण कुमार से मोबाइल नंबर 9424638616 पर संपर्क किया जा सकता है।

विश्व अंगदान जागरूकता दिवस पर विशेषज्ञों की व्याख्यानमाला

रायपुर/भिलाई (समय दर्शन)। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के सभागार में शनिवार को विश्व अंगदान जागरूकता समारोह के तहत अंगदान और स्किन डोनेशन विषय पर देश के प्रख्यात चिकित्सकों की व्याख्यानमाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर निदेशक, नेशनल बर्न सेंटर (एरोली, मुंबई) डॉ. सुनील केसवानी, विभागाध्यक्ष (प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न विभाग, डीके सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, रायपुर) प्रो. डॉ. दक्षेश शाह, जॉइंट डायरेक्टर (राज्य अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण संगठनङ्कसोटो) डॉ. वरुण अग्रवाल, कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. रविंद्रनाथ एम., मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. सौरभ मुखर्जी और डॉ. उदय कुमार उपस्थित रहे। स्वागत गीत अस्पताल की नर्सिंग टीम ने प्रस्तुत किया। डॉ. केसवानी ने स्किन बैंक के प्रति जन-जागरूकता प्रयासों को लगातार जारी रखने पर जोर देते हुए भिलाई स्किन बैंक को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना साझा की। उन्होंने कहा कि स्किन डोनेशन से गंभीर रूप से झुलसे रोगियों के जीवन बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। व्याख्यान के बाद उन्होंने अस्पताल के स्किन बैंक का अवलोकन कर उसकी कार्यप्रणाली की सराहना की। डॉ. रविंद्रनाथ एम. ने ऐसे जनहितकारी और जागरूकता आधारित कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राजमहल परिसर में हर्षोल्लास के साथ शाही अंदाज में मनाया भोजली

कवर्धा (समय दर्शन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मोती राजमहल परिसर में भोजली महोत्सव परम्परा अनुसार व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आस पास के गांवों एवं जिले भर से आई महिलाओं तथा स्थानीय महिला मानस मंडली की महिलाओं के बीच कवर्धा रियासत की महारानी व त्रिपुरा की सांसद रानी कृतिदेवी सिंह ने सोलह सिंगार के साथ विराजमान मंचस्थ रहीं। स्थानीय कलाकारों ने भी मधुर भजनों की प्रस्तुति से भोजली महोत्सव को और भी आकर्षक बना दिया।

सभा संबोधन के बाद शहर के विभिन्न घरों से व राजमहल में बोई गई भोजली का महारानी कृतिदेवी ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर अच्छी बारिश व प्रदेश की खुशहाली की कामना के साथ आरती उतारी। इस बीच पंडितों ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए शंखनाद किया। इसके पश्चात जुलूस के साथ भोजली को विसर्जित करने शोभा यात्रा निकाली गई।

मंत्रोच्चारण कर रहे पं. चंद्रकिरण तिवारी ने बताया कि रक्षाबंधन के दूसरे दिन भाद्र कृष्ण पक्ष की पहली तिथि को भोजली पर्व सदियों से उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। महिलाएं और बच्चे अपने सिर पर भोजली की टोकरी लेकर विसर्जन के लिए भोजली तालाब पर पहुंची। नागपंचमी के दिन चुरकी, टुकनी में मिट्टी लाकर उसमें गेहूं को भिगाकर भोजली बोने के बाद दस दिनों तक ग्राम देवता की आराधना की जाती है। इस बीच पानी सींचते हुए अपनी भोजली का खूब जतन किया गया। फ्रि विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भोजली का विसर्जन किया गया।

सेल्फी का रहा जुनून

भोजली तालाब में भोजली विसर्जन के दौरान अधिकांश युवतियां, महिलाएं व बच्चे हाथ पर मोबाइल पर सेल्फी लेते रहे। भोजली विसर्जन की तस्वीरों के साथ अपने सखी-सहेलियों और परिवार के सदस्यों के साथ मोबाइल पर सेल्फी का जुनून देखा गया।

महिलाएं एक दूसरे के कान में भोजली खोंसकर बनीं सहेली

भोजली विसर्जन के बाद गेहूं की बालियां लेकर घरों में जाकर एक दूसरे के कान में भोजली खोंसकर मितान या गियां बदने (बनाने) की परंपरा है। इसलिए इसे छत्तीसगढ़ का फ्रेंडशिप डे भी कहा जाता है। वनांचल में भी एक दूसरे के कान में भोजली खोंसकर मित्र बनते देखा गया। वहीं बड़ों के हाथों में भोजली देकर आशीर्वाद लेने की परंपरा बनी हुई है। महिलाएं बताती हैं कि भोजली के समय बनाई गई सहेली का नाम नहीं लिया जाता और उसे हमेशा भोजली कहकर संबोधन दिया जाता है।

शिवसेना का गौ वंश रक्षा आंदोलन जीत की कगार पर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शिवसेना राजनांदगांव विधानसभा अध्यक्ष मुकेश साहू ने बताया कि गौ माता की हत्या बंद करने, गौ तस्कर गाड़ी को राजसात करने, गौ हत्या करते पाए जाने पर हत्या का मामला दर्ज करने, गांव-गांव स्थित गौठानों को गौशाला का नाम देकर घुमंतू पशुओं को सुरक्षित रखने एवं कलेक्टर रेट पर दो गौ सेवक रखने, गौमाता को राज्य माता घोषित करने को लेकर रविवार को ग्राम अर्जुनी में स्टॉल लगाकर महा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। श्री साहू ने बताया 3 जुलाई को शिवसेना प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार ने महा हस्ताक्षर सभी संभागों में करने की शुरुवात की है, जो कि पहले चरण में दुर्ग संभाग में शिवसेना पार्टी के किसान सेना प्रदेश अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव कमल सोनी, दिनेश ताम्रकर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शोभा शंकर त्रिपाठी, महामंत्री मनीष तिवारी, शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष शिवराम केशरवानी सहित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मिलकर घर घर जाकर एवं शहरों के प्रमुख चौराहों में स्टॉल लगाकर आम जनता को गौ रक्षा हेतु चलाये जा रहे महा हस्ताक्षर अभियान से जोड़ने का प्रयास किया। महा हस्ताक्षर अभियान की शुरुवात के 20 दिनों में ही 23 जुलाई को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक आयोजित कर बैठक में गौ सुरक्षा हेतु विशेष चर्चा की गई। प्रदेश भर के जिलों में प्रशासन द्वारा गौ रक्षा हेतु बैठकों का दौर भी जारी है। शिवसेना द्वारा चलाये जा रहे महा हस्ताक्षर अभियान के बाद हाल ही में राज्य सरकार द्वारा गौ धाम बनाने और गौ सेवको की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है, लेकिन अब भी गौ माता को राज्य माता का दर्जा मिले, गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगे, गौ हत्या करने वालों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग पूरी नहीं हुई है। गौ रक्षा की सभी मांग पूरी करवाने शिवसेना पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता संघर्षरत रहेंगे।

रविवार को हस्ताक्षर अभियान हेतु स्टॉल में शिवसेना राजनांदगांव विधानसभा अध्यक्ष मुकेश साहू, चिंतानंद साहू, कौशल वशिष्ट, हरेंद्र मालेकर सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक ऊपस्थिति रहे।

अहो देवी गंगा, लोकधुन में हुआ भोजली विसर्जन

बरगा में पारंपरिक वेशभूषा कन्याओं ने किया भोजली विसर्जन

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। ग्राम बरगा में रविवार को पारंपरिक उल्लास और लोकधुनों के बीच भोजली का विसर्जन किया गया। यह आयोजन मोहल्ले की कन्याओं द्वारा किया गया, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति के अनुरूप पूर्णत: छत्तीसगढ़ी वेशभूषा और पारंपरिक गहनों से सुसज्जित होकर मनमोहक रूप में भोजली का ग्राम भ्रमण किया। मां शितला जुड़वासोत्सव सेवा समिति के सदस्यों द्वारा संगीतमयी धून के साथ गांव के बाजार चौंक, महावीर चौंक, संतोषी चौंक, शितला चौंक में भ्रमण कराया गया। लोकगीत अहो देवी गंगा जैसी भक्ति धुनों के साथ वातावरण भक्तिमय बना रहा। इसके बाद भोजली का जल में विसर्जन किया गया। ज्ञात हो कि सावन मास में मनाया जाने वाला यह लोकपर्व विशेषकर युवतियों और कन्याओं का उत्सव है। इसमें गेहूं, जौ या अन्य बीजों को मिट्टी में बोकर सात से नौ दिनों तक सिंचित किया जाता है, और सावन पूर्णिमा को भोजली की पूजा-अर्चना कर विसर्जन किया जाता है। इसे वर्षा, हरियाली और समृद्धि का प्रतीक

माना जाता है जिस परम्परा को बरगा के निवासियों द्वारा प्रतिवर्ष निर्वहन किया जाता हैं। इस अवसर पर सावित्री, केशर, गीतिका, पार्वती, आशा, पायल, भूमिका, एकता,नूतन, भारती, लता, गीतांजलि, कामनी, दुलेसरी, लीला, ज्योति, ममता, मिनाक्षी, लल्ली, भूमि, चंचल, कियत साहू, बद्री साहू, शिवकुमार साहू, देवसिंग साहू, हरिसिंह, राजकुमार, चुरावन साहू , अजय साहू,संजू साहू, डाकेश साहू ,भीखम साहू,अरुण कुमार, कान्हा, कुलेश्वर सहित अन्य सम्मिलित होकर आयोजन की शोभा को और बढ़ा दिया।

कलेक्टर व एसपी ने किया फ्रहदा हाईस्कूल का औचक निरीक्षण, अव्यवस्था पर जताई कड़ी नाराजगी

अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन काटने, बीईओ, प्रधानपाठक व समन्वयक को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)। शिक्षा के क्षेत्र में जिले को एक नई पहचान दिलाने और शिक्षा गुणवत्ता सुनिश्चित सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 90 प्लस परीक्षा परिणाम अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने आज मुंगेली विकासखंड के शासकीय हाई स्कूल फ्रहदा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में विभिन्न कक्षाओं, विद्यार्थियों व शिक्षकों की संख्या, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं सहित परिसर में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया, जिसमें

नंद किशोर साहू, राजेन्द्र कश्यप, उर्वशी साहू और अर्चना मसीह सहित 04 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने गंभीर नाराजगी जताते हुए अनुपस्थित शिक्षकों का 01 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में अव्यवस्था और गंदगी का आलम देखकर कलेक्टर ने प्राचार्य नंद किशोर साहू को कड़ी फ्टकार लगाई और उन्हें हटाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होंने स्कूल में बेहतर व्यवस्था न होने तथा उचित मानिटरिंग नहीं करने पर बीईओ जितेन्द्र बावरे एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक सूर्यकांत उपाध्याय को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा सभी व्यवस्थाएं तत्काल सुधारने के लिए कहा। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी सी.के.घृतलहरे एवं डीएमसी को बेहतर मानिटरिंग के साथ स्कूलों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए।

बच्चों से संवाद कर मन लगाकर पढ़ाई करने किया प्रोत्साहित

कलेक्टर ने बच्चों से भी चर्चा की और मन लगाकर पढ़ाई कर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही गरीबी दूर करने का सशक्त माध्यम है, इसलिए खूब पढ़ें और आगे बढ़ें। पुलिस अधीक्षक पटेल ने भी अनुशासन और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर जोर देते हुए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने निर्देशित किया। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि शिक्षण व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ करने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान इस दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कणेश्वर धाम में भव्य जलाभिषेक के साथ हुआ सावन महोत्सव का समापन

नगरी (समय दर्शन)। सिह ावा नगरी कणेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट देउरपारा सिहावा भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के साथ सावन महोत्सव का समापन संपन्न हुआ सावन के पवित्र माह में उड़ीसा बस्तर एवं अंचल के प्रमुख ग्रामों से लाखों कांवरियों के द्वारा ज ला अभिषेक एवं दर्शन कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना भगवान भोलेनाथ से किया जिसमें प्रमुख रूप से साकरानगरी उमरगांव सिहावा पदमपुर कसपृर कुकरेल सोना मगर सेमरा देवपुर घटुला एवं आसपास कें गांव से श्रद्धालु ने अभिषेक किया ग्राम साकरा से 5000 अधिक श्रद्धालुओं के द्वारा कावड़ यात्रा निकालकर जलाभिषेक किया गया। मंदिर ट्रस्ट के द्वारा प्रत्येक दिन भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं के द्वारा भाव मग्न होकर लुफ्त उठाया बोल बम सेवा समिति नगरी गोलू मालू एवं साथियों के द्वारा एक माह तक लाखों लोगों को भंडारे में निशुल्क भोजन की व्यवस्था कराई गई जिसकी सभी लोगों ने काफ्ी प्रशंसा किया अनुअधिकारी नगरी सुश्री प्रीति दुर्गम जी के द्वारा पुलिस विभाग स्वास्थ्य विभाग जल संसाधन विभाग विद्युत विभाग एवं अन्य विभागों को व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया मंदिर ट्रस्ट के द्वारा पहली बार शुद्ध देसी घी से बने हुए प्रसादी की व्यवस्था की गई थी जिसकी काफ्ी सराहना लोगों के द्वारा की गई ट्रस्ट के द्वारा श्रद्धालुओं को रोकने की व्यवस्था पानी एवं बिजली की व्यवस्था किया गया था। ट्रस्ट के अध्यक्ष विकल गुप्ता ने सभी प्रशासनिक अधिकारी एवं विभाग प्रमुखों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं दूर-दूर से आए हुए सभी कावड़ यात्रियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

गृहिणी से सफ्ल उद्यमी तक का सफर - रेखा डोडे आत्मनिर्भरता की बनीं मिसाल

बेमेतरा (समय दर्शन)। ग्राम बोरदेही की श्रीमती रेखा डोडे ने मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की अनूठी मिसाल पेश की है। एक समय केवल गृहिणी और खेती-किसानी तक सीमित रहीं रेखा आज सफ्ल किराना व्यवसायी और सिलाई सेंटर संचालिका के रूप में उभरकर क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

रेखा डोडे वर्ष 2018 से 'सत के फूल' स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। उनका कहना है, कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएकृआर्थिक स्थिति में सुधार हुआ, बच्चों की पढ़ाई आसान हुई और परिवार का भविष्य सुरक्षित हुआ।

मार्च 2025 में उन्होंने नॉन-फार्म योजना के तहत ?1 लाख का ऋ्रण और सीआईएफमद से ?60,000 की सहायता प्राप्त कर किराना दुकान की शुरुआत की। यह पहल उनके लिए लाभकारी साबित हो रही है और उन्हें स्थायी आमदनी दे रही है। इसके साथ ही वे सिलाई सेंटर भी चला रही हैं, जिससे अतिरिक्त आय हो रही है।

रेखा डोडे को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मासिक ?1000 और उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर का लाभ भी मिला है।

अपनी सफ्लता का श्रेय देते हुए रेखा डोडे ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया और कहा- सरकारी योजनाओं ने मेरे सपनों को साकार करने में अहम भूमिका निभाई है। आज मैं खुद पर गर्व महसूस करती हूँ।

दुष्कर्म के आरोपी को बीस वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदंड से किया गया दण्डित

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने पीड़िता को प्रतिकर राशि दिलाने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय (पॉक्सो एवं बलात्कार मामले),के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर ने नाबालिग बालिका की शादी का झांसा दे भगा ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी नेपाल बाघ पिता मुबने बाघ (यादव) उम्र लगभग 37 वर्ष,निवासी-हल्दी थाना चादाहाण्डी,जिला-नवरंगपुर (उड़ीसा) को आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

इस मामले के संबंध में शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक एच.एन.त्रिवेदी ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसकी नाबालिग पुत्री उम्र 16 वर्ष 6 माह 23 दिन,जो दिनाँक 9 और 10 जनवरी के रात में बिना बताये कहीं चली गई तथा आस-पास पता करने के बाद भी नहीं मिलने पर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री/पीड़िता को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की शिकायत पर थाना अमलीपदर द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर पता तलाशी शुरु की गई।जिसमें नाबालिग पीड़िता को ईंटा भट्टी खम्मन, तेलंगाना में ओड़िसा निवासी आरोपी नेपाल बाघ के कब्जे से बरामद कर आरोपी के विरूद्ध धारा 363,366,376 (2) (द) भा.दं.वि.एवं धारा 04.06 पॉक्सो एक्ट और धारा 3(2) (ट) अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत् न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से उक्त अपराध को प्रमाणित करने हेतु अपने पक्ष समर्थन में कुल 20 साक्षियों का कथन कराया गया।

विशेष न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर द्वारा प्रकरण के सम्पूर्ण तथ्य,परिस्थितियों एवं उपलब्ध साक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए आरोपी द्वारा नाबालिग पीडिता को शादी का झांसा देकर उसके वैध संरक्षक की अनुमति के बिना व्यपहरण कर दुष्कर्म किये जाने के कृत्य को संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाला गंभीर प्रकृत्ति का अपत्तथ मानते हुए दोषसिद्ध पाये जाने पर आरोपी नेपाल बाघ को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2) (ट) के तहत् आजीवन कारावास एवं एक हजार रूपये का अर्थदण्ड,पॉक्सो एक्ट की धारा-06 के तहत् बीस वर्ष का सश्रम कारावास एवं पाँच हजार रूपयें का अर्थदंड तथा भा.दं.वि.की धारा 363 के तहत् दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रुपये का अर्थदण्ड,धारा 366 के तहत् पांच वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपए के अर्थदण्ड दंडित किया गया है।

न्यायाधीश द्वारा पारित निर्णय में नाबालिग पीड़िता के साथ हुई उक्त घटना से होने वाले शारीरिक व मानसिक पीड़ा तथा उसके जीवन व मनोदशा पर पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों पर विचार करते हुए नाबालिग पीड़िता को प्रतिकर स्वरूप चार लाख रूपये दिलाये जाने का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,रायपुर को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्रतिकर प्रदाय करने के लिए निर्देशित किया गया है।

होम मिनिस्टर के गृह जिले में न मंदिर सुरक्षित न लोग- चोवाराम साहू

कानून व्यवस्था चौपट

कवर्धा (समय दर्शन)। कृषि उपज मण्डी के पूर्व उपाध्यक्ष चोवाराम साहू ने कहा है कि अगर कबीरधाम जिले में एक मृतक का परिवार शव को सड़क में रखकर पुलिस प्रशासन पर प्रताडऩा का आरोप लगा रहा है, अगर जिले के शिवालयों, देवालयों व मंदिरों में लगातार हो रही तोडफ़ोड़ से सनातनियों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है और वे अपनी आस्था केन्द्रों की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। अगर जिले का कोटवार संघ अपनी सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रहा है, तो कहना गलत नहीं होगा कि प्रदेश के गृह मंत्री के गृह जिले की कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है।

मण्डी के पूर्व उपाध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के महज पौने दो साल के कार्यकाल में ही कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। आलम ये है कि प्रदेश के गृह मंत्री के गृह जिले में ही कानून व्यवस्था संभाले नहीं संभल रही है। पुलिस प्रशासन पर प्रताडऩा के आरोप लग रहे हैं। लेकिन दोषी अधिकारी-कर्मचारियों पर न तो कार्यवाही हो रही है और न ही मृतक को इंसाफ मिल रहा है। शरारती तथा असामाजिक तत्व लगातार सनातन धर्मियों के आस्था केन्द्रों पर हमला कर यहां स्थापित देवी देवताओं की प्रतिमाओं को तोडफ़ोड़ रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि ऐसे मामलों में पुलिस आरोपियों तक पहुंच भी नहीं पा रही है। विकासखण्ड बोड़ला के ग्राम सारंगढ़ में अभी हाल में हुई घटना के आरोपी का अभी भी कोई अता पता नहीं है। गृहमंत्री के गृह जिले में कार्यरत कोटवार अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हुए सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं।

डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य पर हुई कार्यशाला

डिजिटल तकनीक का उपयोग करें लेकिन उस पर निर्भरता से बचें : राज्यपाल डेका

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने युवाओं का आव्हान किया है कि डिजिटल तकनीक का उपयोग नवाचार और रचनात्मकता के लिए करें लेकिन उस पर निर्भरता से बचें। उन्होंने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में सोमवार को डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि कोविड-19 के बाद डिजिटल माध्यम ने शिक्षा, कार्य और रिश्तों को आसान बनाया पर इससे तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं भी बढ़ी हैं। योग ध्यान और संतुलित जीवन अपनाकार ही मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत रखा जा सकता है।

कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक शोधार्थी, सामाजिक संगठनों से जुड़े बुद्धिजीवी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। प्रतिभागियों ने डिजिटल युग में मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने के उपायो पर विचार विमर्श किया।

राज्यपाल श्री डेका ने कार्यशाला में कहा कि 21 सदी में हमारी जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया लेकिन प्रकृति का स्वरूप आज भी वैसा ही है। सूर्य पूर्व में उगता है और पश्चिम में अस्त होता है। धरती अब भी हरियाली का चादर ओढ़ कर हमे जीवन देती है, परंतु बदलाव हमारी सभ्यता व दिनचर्या में हुआ है। सतत् विकास की कमी और बदलते परिवेश ने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है।

राज्यपाल ने कहा कि एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति और परिवारजनों के बीच संवाद की कमी ने भी मानसिक स्वास्थ्य को कमजोर किया है। आज अधिकांश लोग मोबाईल और इंटरनेट में व्यस्त रहते है और आपसी संवाद व भावनात्मक जुड़ाव कम होता जा रहा है।

श्री डेका ने विद्यार्थियों से कहा कि मानसिक दबाव न हो इसके लिए वे अपनी क्षमता के अनुरूप अपने कैरियर का चुनाव करें और अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से बचें। ओवरथिंकिंग और संदेह से दूर रह कर जीवन का आनंद लें। मनोवैज्ञानिक परामर्श लेने में संकोच न करें और अंतरात्मा की आवाज सुनकर अपने लिए सही रास्ते का चुनाव करें। उन्होंने कहा कि प्रार्थना, योग, ध्यान, प्राणायाम और सात्विक जीवन शैली भारतीय परंपरा में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के मूल आधार रहे हैं, यदि इन्हें दिनचर्या में शामिल किया जाए तो जीवन की कई चुनौतियों का समाधान स्वत: मिल सकता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में ख्याति प्राप्त मनोवैज्ञानिक और मानसिक शक्ति फाउंडेशन मुंबई के संस्थापक डॉ. अमरेश श्रीवास्तव ने अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं है बल्कि समाज की चेतना और मानसिक शक्ति का भी प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव को गंभीर समस्या मानते हुए इस दिशा में अनुसंधान और गहन अध्ययन को आवश्यक बताया।

कार्यशाला में स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने दिया। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर यह कार्यशाला आयोजित की गई है तथा डिजिटल युग में स्वास्थ्य पर गहन चर्चा समय की आवश्यकता है। आभार प्रदर्शन प्रोफेसर अंबर व्यास ने किया।

इस अवसर पर एमसीए के छात्र शिवकुमार महोबिया और शोध छात्र अरूण कुमार पटेल को उत्कृष्ट इनोवेशन के लिए राज्यपाल ने सम्मानित किया।

रेलवे टेक्नीशियन ने घर की छत पर तैयार की भारत की पहली 'रियल-लाइफ बीजीएमआई बग्गी

बेंगलुरु: क्राफ्टन इंडिया ने सामुदायिक सहयोग, रचनात्मकता और जमीनी स्तर पर नवाचार के जज़्बे को प्रदर्शित करते हुए डिजिटल स्टोरी टेलिंग 'बियॉन्ड बैटलग्राउंड्स' की शुरुआत की है।यह पहल बीजीएमआई के उत्साही और जुनूनी प्रशंसकों के माध्यम से भारतीय गेमिंग को जीवंत तरीके से प्रस्तुत करती है। इस मूवमेंट की अगुवाई राजस्थान के श्रीगंगानगर के 28-वर्षीय रेलवे तकनीशियन करण कारगवाल कर रहे हैं। करण ने तमाम मुश्किलों के बावजूद, अपने घर की छत पर ही आइकॉनिक बीजीएमआई बग्गी का पूरी तरह से फंक्शनल और फुल-स्केल रेप्लिका तैयार किया है। इसे तैयार करने के पीछे करण की कई हफ्तों की मेहनत है। करण ने बेकार पड़ी धातुओं, कुछ अन्य औजारों के हिस्से-पुर्जों, तथा अपनी पुरानी मोटरसाइकिल के इंजन, वेल्डिंग टूल्स और एक फोन कैमरे की मदद से इसे तैयार किया हैं जो वास्तव में, पसंदीदा इन-गेम व्हीकल के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। करण के पास इंजीनियरिंग या डिजाइन की कोई औपचारिक ट्रेनिंग नहीं है, वह भारतीय रेलवे में पूर्ण-कालिक तकनीशियन के तौर पर काम करते हैं। लेकिन अपने संकल्प, गेमिंग से मोहब्बत और परिजनों से मिले सपोर्ट की बदौलत इसे तैयार कर दिखाया। करण कारगवाल ने बताया, मैं काम के बाद अपने मनोरंजन के लिए बीजीएमआई खेलता था लेकिन तब मुझे यह ख्याल नहीं आया था कि किसी दिन मैं कुछ ऐसा वास्तविक करूंगा। खेलने और रोज़मर्रा की जिंदगी के बीच, एक दिन इसका विचार मुझे आया और फिर तो मैं इसे पूरा करके ही माना। यह बग्गी केवल धातु और पहियों से नहीं बनी, बल्कि इस बात का सबूत है कि जब जुनून और मकसद मिलते हैं, तो ऐसे सपने भी साकार हो उठते हैं। मैं अपने परिजनों, अपने फॉलोअर्स और बीजीएमआई का आभारी हूं जिन्होंने एक छोटे से शहर की इस घटना को देशभर तक पहुंचाया। इसे बग्गी को तैयार करने की स्टोरी बयां करने वाली करण की रीलने तहलका मचा दिया। उनके 22,000 फॉलोअर्स ने उनके इस महत्वाकांक्षी सफर में उनका भरपूर साथ दिया। इनमें से 95त्नफॉलोअर्स टियर 2, 3 और 4 से आते हैं इतनी बड़ी कम्युनिटी का प्यार देखकर, बीजीएमआई ने भी साथ दिया और करण को फिनिश लाइन तक पहुंचाने के लिए हाथ बढ़ाया, इस तरह बियॉन्ड बैटलग्राउंड की शुरुआत हुई। यह उन क्रिएटर्स पर रोशनी डालने वाला प्रयास है जो गेमिंग की प्रेरणा को जूनून और पहचान की ताकत से लैस वास्तविक दुनिया की अभिव्यक्ति में बदल डालना चाहते हैं।

तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक - श्री अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में आज मुंगेली जिले के ग्राम डिंडौरी से ग्राम सेमरसल तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। स्थानीय रहवासियों ने बड़ी संख्या में इसमें भागीदारी की। पूरी यात्रा के दौरान हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से गांव, रास्ते और गलियां देशप्रेम की भावना से सराबोर रहीं। नागरिकों में देशभक्ति की भावना विकसित करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाने 15 अगस्त तक ''हर घर तिरंगा'' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत लोगों को स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। ''हर घर तिरंगा'' अभियान का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को यह संदेश देना है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे स्वाभिमान और बलिदान की पहचान है। उन्होंने सभी लोगों से ''हर घर तिरंगा'' अभियान को सफल बनाने की अपील की।

डिंडौरी से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा गोंडखाम्ही, लोरमी, डिंडोल, विचारपुर, सुकली, नवागांव जैत, पैजननिया, कोतरी, मसनी, मसना, तेलिया पुराण और बटहा होते हुए सेमरसल में समाप्त हुई। इस दौरान रास्ते भर भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारे गूंजते रहे। हर गांव तिरंगे में रंग गया, जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान हुआ और हर दिल में देश के प्रति गर्व व आदर की लहर उमड़ पड़ी। स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

युक्तियुक्तकरण नीति से प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में शिक्षा की नई रोशनी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर लागू शाला-शिक्षक युक्तियुक्तकरण नीति ने प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिखी है। इस नीति के तहत प्रदेशभर के शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों का संतुलित वितरण सुनिश्चित किया गया है, जिससे अब कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है और बच्चों को समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

गौरतलब है कि युक्तियुक्तकरण से पूर्व प्रदेश के कुल 453 विद्यालय शिक्षक विहीन थे। युक्तियुक्तकरण के पश्चात एक भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है। इसी प्रकार युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश के 4,728 एकल-शिक्षकीय विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इस कदम से न केवल कक्षाओं का संचालन नियमित हुआ है, बल्कि बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई के प्रति उत्साह में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इसका सकारात्मक असर सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड स्थित प्राथमिक शाला बगडीहपारा में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जहां हाल ही में दो शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। नवपदस्थ शिक्षक श्री रंजीत खलखो ने बताया कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में उन्हें अपनी पसंद के विद्यालय चुनने का अवसर मिला और उन्होंने दूरस्थ बगडीहपारा को इसलिए चुना क्योंकि वे ग्रामीण अंचलों के बच्चों को शिक्षित करना अपना दायित्व और सौभाग्य मानते हैं। दो शिक्षकों की उपलब्धता से विद्यालय में सभी विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से हो रही है, जिससे बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है और अभिभावकों का भरोसा भी बढ़ा है। अब वे बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेज रहे हैं, जिससे उपस्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है।

इसी प्रकार मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के मानपुर विकासखंड का ग्राम कमकासुर इसका ताजा उदाहरण है। जिला मुख्यालय से 65-70 किलोमीटर दूर स्थित इस नक्सल प्रभावित वनांचल में 14 बच्चों की दर्ज संख्या वाली प्राथमिक शाला पिछले एक वर्ष से शिक्षक विहीन थी। शासन की युक्तियुक्तकरण पहल से यहां प्रधान पाठक की पदस्थापना हुई, जिससे बच्चों की पढ़ाई फिर से शुरू हुई और ग्रामीणों में शिक्षा को लेकर नया उत्साह लौट आया। इसी तरह सक्ती जिले के ग्राम भक्तूडेरा में भी युक्तियुक्तकरण से बड़ा बदलाव आया। वर्षों से एकल शिक्षक पर निर्भर यह प्राथमिक शाला अब दो शिक्षकों से संचालित हो रही है।

गृहमंत्री ने पूरी ताकत के साथ आपराधियों के विरूद्ध कठोरता से कार्रवाई के दिए निर्देश

पुलिस के लिए जनता के मन में सम्मान और अपराधियों में भय होना चाहिए-उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज सरगुजा कोर्डिनेशन सेंटर में सरगुजा रेंज अंतर्गत सभी पुलिस अधीक्षकों की उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने स्पष्ट कहा कि कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों के मन में भय पैदा करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। गंभीर अपराधों के मामलों में दोष सिद्धि की दर बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने सभी जिलों में मामलों की नियमित और वैज्ञानिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधीक्षक न केवल अपने कार्यालय में आने वाले लोगों से समय पर मिलें, बल्कि अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार भ्रमण अवश्य करें और थानों में अनुशासन के लिए एसपी-एसएसपी और डीएसपी प्रत्येक सप्ताह परेड भी कराए। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री मनोज पिंगुवा, आईजी पीएचक्यू श्री अजय यादव, आईजी सरगुजा श्री दीपक झा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अलावा सरगुजा रेंज के बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, और सरगुजा जिले के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में मानव तस्करी, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया गया। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन सुनिश्चित करने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की बात कही गई। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने, चिटफंड कंपनियों के मामलों की गंभीरता से जांच करने और निवेशकों को धनवापसी की कार्यवाही तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने, यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने और ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार केवल पुलिस का नहीं बल्कि प्रशासन और समाज का साझा दायित्व है। उन्होंने सभी स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग-फ्री कैंपस अभियान चलाने, छात्रों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने और सामुदायिक पुलिसिंग के जरिए जनता और पुलिस के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण, बीट प्रणाली की नियमित समीक्षा और 'समाधान ऐप' के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम सभाओं और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को पुलिस से जोड़ा जाए, ताकि लोग पुलिस को अपना मित्र और संरक्षक मानें। बैठक के अंत में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दो टूक कहा कि पुलिस की कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए कि अपराधी कानून से डरें और आम जनता को भरोसा हो कि कानून-व्यवस्था उनकी सुरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा जनता के मन में सम्मान और अपराधियों के मन में भय होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने गैलेक्सी Z फ्लिप7 और Z फ्लिप7 FE पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज हाल ही में लॉन्च किए गए गैलेक्सी Z फ्लिप7 और Z फ्लिप7 FE पर सीमित समय के आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की। नए ऑफर्स में, गैलेक्सी Z फ्लिप7 अधिकतम 12,000 रुपये तक के बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस के साथ केवल 97,999 रुपये में उपलब्ध होगा। इसी तरह, गैलेक्सी Z फ्लिप7 FE अधिकतम 10,000 रुपये के बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस के साथ केवल 85,999 रुपये में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी Z फ्लिप7 और Z फ्लिप7 FE खरीदने के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए इस डील को और आकर्षक बनाने के लिए, बैंक कैशबैक और अपग्रेड बोनस ऑफर्स को 24 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प के साथ जोड़ा जा सकता है। सैमसंग के सातवीं पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को भारत में शानदार मांग मिली है, जिसमें कंपनी ने जुलाई 2025 में लॉन्च के पहले 48 घंटों में गैलेक्सी Z फोल्ड7, Z फ्लिप7 और Z फ्लिप7 FE के लिए 2.1 लाख से अधिक प्री-ऑर्डर हासिल किए हैं। गैलेक्सी Z फ्लिप7, एक कॉम्पैक्ट एआई फोन है जो मल्टीमॉडल क्षमताओं के साथ आता है और इसमें नया फ्लेक्सविंडो है। यह इतना छोटा है कि जेब में आसानी से फिट हो जाता है,और इतना शक्तिशाली है कि यह सबसे सुविधाजनक सहायता प्रदान करता है। यह गैलेक्सी एआई को नए एज-टू-एज फ्लेक्सविंडो, बेहतरीन कैमरे और अल्ट्रा-कॉम्पैक्ट व आइकॉनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है। सहज वॉयस एआई से लेकर बेहतरीन सेल्फी क्षमताओं तक, गैलेक्सी Z फ्लिप7 एक इंटेलिजेंट, पॉकेट साइज़ साथी है। इसे निर्बाध इंटरैक्शन और रोजमर्रा की विश्वसनीयता के लिए बनाया गया है। इसका वजन केवल 188 ग्राम है और फोल्ड होने पर मोटाई सिर्फ 13.7 एमएम है, जो इसे अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी Z फ्लिप बनाती है। गैलेक्सी Z फ्लिप7 में शानदार फ्लेक्सविंडो डिस्प्ले है, जो जरूरी चीजों को सामने और केंद्र में लाता है और फौरन मैसेज टाइप करना आसान बनाता है। 4.1-इंच का सुपर एमोलेड फ्लेक्सविंडो अब तक का सबसे बड़ा फ्लेक्सविंडो है, जो एज-टू-एज उपयोगिता के साथ यूजर्स को कवर स्क्रीन पर अधिक देखने और करने की सुविधा देता है।

एचडीएफसी बैंक व विनफास्ट ऑटो इंडिया ने इलेक्ट्रिक वाहनों के ऑटो व इन्वेंटरी फाइनेंसिंग के लिए समझौता किया

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक और विनफास्ट ऑटो इंडिया ने ग्राहकों और डीलरों के लिए ऑटो और इन्वेंटरी फाइनेंसिंग प्रदान करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (रूश्व) पर हस्ताक्षर किए हैं। विनफास्ट ऑटो इंडिया, वियतनाम की सबसे बड़ी निजी समूह विनग्रुप की वैश्विक ईवी कंपनी विनफास्ट की भारतीय सहायक कंपनी है। यह समझौता भारत में विनफास्ट के लॉन्च से पहले कंपनी द्वारा किसी बैंक के साथ किया गया पहला गठजोड़ है। इस सहयोग का उद्देश्य ग्राहकों और डीलरों के लिए समग्र वित्तीय समाधान प्रदान करना है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद प्रक्रिया अधिक सुगम और सुविधाजनक बन सके। इस समझौते के तहत ग्राहकों को विशेष और अनुकूलित फाइनेंसिंग विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक भारतीय उपभोक्ता ईवी अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। विनफास्ट, एचडीएफसी बैंक के देशभर में फैले ब्रांच नेटवर्क और डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर शहरी और उभरते बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेगा। यह साझेदारी भारत में टिकाऊ परिवहन के तेजी से बढ़ते बाजार को और बल देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विनफास्ट के आगामी वीएफ-6 और वीएफ-7 मॉडलों के लॉन्च की तैयारी के साथ इस समझौते के अंतर्गत मिलने वाले विशेष लाभ कंपनी की संपूर्ण वाहन श्रृंखला पर लागू होंगे। इस सांझेदारी को लेकर विनफास्ट एशिया के सीईओ श्री फाम शान चाउ और एचडीएफसी बैंक के ऑटो लोन, इन्वेंटरी फाइनेंस और टू-व्हीलर लोन व्यवसाय प्रमुख श्री अखिलेश कुमार रॉय ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर दोनों कंपनियों के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

शॉप्सी ने भारत के छोटे शहरों तक बनाई पहुंच

रायपुर: फ्लिपकार्ट का तेजी से बढ़ता हाइपर-वैल्यू प्लेटटफॉर्म शॉप्सी अपनी चौथी वर्षगांठ मना रहा है। इस मौके पर शॉप्सी ने 'भारत को किंग/क्वीलन साइज जिंदगी' देने के अपने मिशन को और मजबूत किया है, ताकि ग्राहकों को कम खर्च में सबसे ज़्यादा फायदा मिल सके। अब तक 450 मिलियन से ज्यापदा ऐप डाउनलोड का आंकड़ा पार कर चुका शॉप्सी देश के चारों कोनों में 19,000+ पिन कोड तक डिलीवरी कर रहा है, जिसमें मेट्रो शहरों से लेकर छोटे-छोटे कस्बों तक पहुंच शामिल हैं। इस साल ही शॉप्सी से 1.15 करोड़ नए खरीदार जुड़े, जिनमें से कई ने पहली बार ऑनलाइन शॉपिंग की। जैसे-जैसे इसकी पहुंच और गहराई, टियर 4 कस्बों और दूरदराज़ के ज़िलों — जैसे भागलपुर, मेदिनीपुर, डुंडा और राजनगर — से मांग में तेज़ बढ़ोतरी देखने को मिली। यह दर्शाता है कि लोग अब शॉप्सी की किफायती कीमतों, इस्तेमाल में आसानी और 300 रूपये से कम की खास रेंज पर भरोसा कर रहे हैं। शॉप्सी के बिज़नेस हेड, कपिल थिरानी ने कहा, पिछले चार सालों में शॉप्सी देश भर के समझदार खरीदारों के लिए एक पसंदीदा ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म बन गया है। हमारा लक्ष्य हमेशा अच्छी क्वॉलिटी के विविध प्रोडक्ट्स देना, खरीदारी को आसान बनाना और ग्राहकों को स्थानीय अनुभव देना रहा है, खासकर उन छोटे शहरों और कस्बों में जो भारत की असली ताकत हैं। शॉप्सी के प्रोडक्ट्स इन इलाकों की अलग-अलग पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखकर चुने जाते हैं। हमने ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है जो बड़े पैमाने पर काम करता है और लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ता है। इस खास मौके पर हम हर भारतीय घर तक भरोसेमंद, आसान और किफायती ऑनलाइन शॉपिंग पहुंचाने के अपने मिशन को और मजबूत करने का वादा करते हैं।

पूरे भारत में पहुंच: बड़े से लेकर छोटे शहरों तक- शुरुआत से अब तक, शॉप्सी ने अपनी पहुंच को दोगुने से भी अधिक बढ़ाया है और देश के हर कोने तक सामान पहुंचाया है। चाहे सीतामढ़ी में साड़ी हो या मोकोकचुंग में मिक्सर — यह प्लेटफॉर्म भारत के सबसे अंदरूनी इलाकों तक रोजमर्रा की खरीदारी को आसान बना रहा है। मिजोरम, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों ने उत्तर और पूर्व भारत में तरक्कीक को बढ़ावा दिया, वहीं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गोवा ने दक्षिण और पश्चिम के उभरते बाज़ारों के रूप में पहचान बनाई।

संपादकीय

पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवाा को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था। बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप), 376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई। 1632 पों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रानिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं। हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने काड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका। बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक निसार

योगेश कुमार गोयल

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है। 'निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षो तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। 'निसार' इसरो और नासा के दस वर्षो के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है। 'निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैंध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैंध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार 'निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, 'निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। 'निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा। यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूर्वानुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में 'निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। 'निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं।

भारत की नई बुलंद तस्वीर: 'झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए!'

कमलेश पांडे

दुनिया के आर्थिक और सैन्य मंच पर तेजी से कद्दावर बन चुके गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस को साधकर नम्बर वन अमेरिका और नम्बर टू चीन को रणनीतिक मुश्किल में डालते हुए भींगी बिल्ली बना दिया है। इससे समकालीन विश्व के जी-7, नाटो, जी--20, ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ग्लोबल साउथ की पूछ-परख बढ़ गई है, क्योंकि इनका अगुवा अब भारत बन चुका है।

जानकार बताते हैं कि अमेरिकी दांवपेंचों और चीनी पैंतरों से आजिज आ चुके इन ग्लोबल साउथ के देशों को भारत की सदाशयी नीतियों से जो नीतिगत राहत और वैश्विक सहयोग मिला है, वह इनकी प्राथमिक जरूरत भी है। चूंकि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत सबसे तेज़ इकॉनमी बन चुका है, मजबूत सैन्य ताकत के रूप में छा चुका है, इसलिए भारत की मुखालफत दुनियावी थानेदारों को भी भारी पड़ सकती है।

यह ठीक है कि सीजफायर और टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों-आरोपों का भारत ने अभी तक जो भी जवाब दिया, उसमें भाषा विनम्र और सांकेतिक रखी गई। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत दिनों जो ठोक-पीटकर जोशीला राजपूती बयान दिया है, इसके कूटनीतिक और राजनीतिक मायने में बिल्कुल अलग और अहम हैं। ऐसा इसलिए कि ट्रंप का नाम भी उन्होंने नहीं लिया, लेकिन इस बार जवाब ज्यादा सख्त था।

रक्षा मंत्री सिंह के तल्खी भरे बयान यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब भारत अपने राष्ट्रीय, मित्रगत और पड़ोसी हितों से कोई समझौता नही करेगा और जो इस रास्ते में अड़चनें पैदा करने की कोशिश करेगा, या वैसी ताकतों को शह देगा, उससे सख्ती पूर्वक ही निपटा जाएगा। इस बार सीजफायर वाली हड़बड़ाहट भी नहीं दिखाई जाएगी। इसलिए अब कोई भी बातचीत बराबरी के स्तर पर ही होनी चाहिए। वो भी अमेरिका-चीन जैसे देशों के साथ अनिवार्य तौर पर। लिहाजा, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने ठीक ही कहा है कि नया भारत शेर की तरह दहाड़ता है। शक्तिशाली नेताओं की आंखों में देखकर बात करता है।

उल्लेखनीय है कि भारत के साथ अपने मनमाफिक डील करने में नाकाम रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को ही 'डेड' बताया था। इसलिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनकी इसी निकृष्ट मानसिकता का दबंग अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे दबंग और गतिशील अर्थव्यवस्था करार दिया। जबकि 'सबके बॉस तो हम है' का भाव रखने वाले कुछ देशों को भारत का तेजी से विकास रास नहीं आ रहा है। समझा जाता है कि भारत से होने वाले आयात पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैक्स लगाए जाने के बाद उनका यह बयान सामने आया है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ऐसी कोशिश की जा रही है कि हमारी चीजें बाहर महंगी हो जाएं। फिर भी कोई ताकत दुनिया की बड़ी शक्ति बनने से भारत को नहीं रोक सकती है। तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी देश की है तो वह हमारे भारत की है। अब भारत ?24000 करोड़ का रक्षा उत्पाद दुनिया को निर्यात कर रहा है। अब हमने भी ठान लिया है कि आतंकियों को उनके धर्म देखकर नहीं, बल्कि उनका कर्म देखकर मारेंगे। जो हमें छेड़ेगा, उसे छोड़ेंगे नहीं।

यह महज संयोग नहीं कि रविवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश की अर्थव्यवस्था पर बात की और भारत की अर्थव्यवस्था के तेज रफ्तार के बारे में संकेत देते हुए साफ कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से हासिल की गई है। पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर पहले शीर्ष पांच में पहुंच गई है और अब तेजी से शीर्ष चार से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधने के कुछ दिन बाद पीएम की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम ने यहां तक कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे भारतीय टेक्नॉलजी और मेक इन इंडिया का हाथ था। उसने कुछ ही घण्टों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का 2025-26 के लिए अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा, जबकि दुनिया की बाकी इकॉनमी की ग्रोथ के लिए यह अनुमान तकरीबन 3 फीसदी ही है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के डेटा बताते हैं कि 2024 में भारत ने ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान दिया और अगले 5 साल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इस तरह से कोरोना महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने सबसे शानदार रिकवरी की और दुनियावी युद्धों व वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी वह बढ़त बनाए हुए है।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय विकसित अर्थव्यवस्था की हकीकत यह है कि खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था इस समय संकट के दौर में गुजर रही है। वहां पर ट्रंप की अव्यवहारिक नीतियों के चलते महंगाई दर बढ़ने का डर है, जिससे आर्थिक विकास दर पर बुरा असर होगा। ऐसा अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का भी मानना है। समझा जाता है कि ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण अगर अमेरिका में मंदी के हालात बनते हैं, तो इसका असर दूसरे मुल्कों पर भी होगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि ट्रेड और टैरिफ पर ट्रंप का सख्त रुख किसी के लिए भी सही नहीं है। अब तो इसे टैरिफ टेरर या टैरिफ फतवा तक करार दिया जाने लगा है।आखिरकार इस बढ़े टैक्स की कीमत अमेरिकियों को ही चुकानी पड़ेगी। ऐसे में बेहतर है कि समाधान बातचीत से निकाला जाए। लेकिन, वह बातचीत एकतरफा और अपनी मर्जी थोपने वाली नहीं हो सकती। इसलिए अपनी ग्रोथ को बनाए रखने के लिए भारत की एनर्जी संबंधी जरूरतें अमेरिका से बिल्कुल अलग है। इसी तरह, विशाल किसान व पशुपालक आबादी को लेकर भी भारत की कुछ स्वाभाविक चिताएं हैं। लिहाजा किसी भी समझौते में इन पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। उनका संकेत पीएम मोदी, एचएम शाह और डीएम सिंह के सख्ती भरे फैसलों व बयानों की तरफ था, जिन्होंने रविवार को धूम मचा दिया।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नागपुर में ठीक ही कहा कि आज दुनिया में जो देश दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हैं और उनके पास उन्नत तकनीक है। फिर भी उन्होंने चुटकी भरे अंदाज में कहा कि, दुनिया झुकती है बस झुकाने वाला चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत को अपनी निर्यात बढ़ानी होगी और आयात घटाने होंगे। अगर हमारी अर्थव्यवस्था और निर्यात की दर बढ़ेगी, तो हमें किसी के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, जिनके पास अच्छी तकनीक और संसाधन हैं, वही दबदबा दिखा रहे हैं। अगर हमारे पास भी यह सब होगा, तो हम किसी पर जुल्म नहीं करेंगे, क्योंकि हमारी संस्कृति दुनिया के कल्याण की सोच रखती है।

मोदी एक बार कह दें कि ट्रंप ने जंग नहीं रुकवाई

अजीत द्विवेदी

संसद के मानसून सत्र का इंतजार सबको था। इंतजार इसलिए था क्योंकि सरकार ने पहलगाम कांड और आपेरशन सिंदूर के बाद विशेष सत्र बुलाने की विपक्ष की अपील पर ध्यान नहीं दिया था। संसद में खड़े होकर विपक्ष को जवाब देने और देश के नागरिकों को इसकी सचाई बताने की बजाय सरकार दुनिया भर के देशों में डेलिगेशन भेज कर उनके सामने अपना पक्ष रख रही थी। तभी जब मानसून सत्र की शुरुआत हुई और यह तय हुआ कि दूसरे हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार, 28 जुलाई को पहलगाम कांड व आपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होगी तो उम्मीद थी कि इनसे जुड़े समूचे घटनाक्रम की सचाई सामने आएगी। सरकार हर पहलू के बारे में जानकारी देगी। विपक्ष जो सवाल पहले से उठा रहा है और जो सदन में सवाल उठाए जाएंगे, उनका वस्तुनिष्ठ तरीके से जवाब दिया जाएगा। लेकिन अफसोस की बात है कि दो दिन की लंबी चर्चा और प्रधानमंत्री के लंबे भाषण के बाद भी बहस अधूरी ही रह गई। इस बहस के बाद यह धारणा भी मजबूत हुई कि भारत में संसदीय बहसों का स्तर लगातार गिरता जा रहा है और सारी संसदीय बहस सिर्फ राजनीति साधने और चुनावी लाभ के लिए होती हैं। किसी भी सभ्य लोकतंत्र में संसदीय बहसें ऐसी नहीं होती हैं। भारत में भी कोई संविधान सभा की बहस के दस्तावेज पढ़े तो उसे भी आज जो हो रहा है उस पर शर्म ही आएगी।

बहरहाल, पहलगाम कांड और आपरेशन सिंदूर से जुड़े कौन से सवाल थे, जिनके वस्तुनिष्ठ जवाब की जरुरत थी, उस पर आने से पहले एक रूपक के जरिए इस बहस को समझते हैं। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बिजली मंत्री का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति उनसे बिजली नहीं आने की शिकायत कर रहा था। वह व्यक्ति कह रहा था कि सिर्फ तीन घंटे बिजली आती है और अधिकारी कोई सुनवाई नहीं कर रहे हैं। थोड़ी देर तक यह बात सुनने के बाद माननीय बिजली मंत्री ने अपने गले में पड़ी ढेर सारी मालाएं निकालीं और जोर से नारा लगाया, जय श्रीराम! बात वही खत्म हो गई। लोकसभा में पहलगाम कांड और आपरेशन सिंदूर पर सत्तापक्ष यानी भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सभी नेताओं का भाषण इसी श्रेणी का था। सवालों का जवाब देने की बजाय सत्तापक्ष के लगभग सारे वक्ता सेना के शौर्य का गुणगान कर रहे थे, अपनी पीठ थपथपा रहे थे, अपनी छाती ठोक रहे थे और 77 साल पहले वाली सरकार की कमियां गिना रहे थे।

सोचें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने करीब एक सौ मिनट के भाषण में 14 बार देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का नाम लिया! क्या पहलगाम कांड और आपरेशन सिंदूर पर होने वाली चर्चा में देश के लोग यही सुनना चाहते थे? नेहरू की गलतियां थीं या इंदिरा गांधी ने गलती की या उसके बाद की कांग्रेस सरकारों ने गलतियां कीं तभी तो देश की जनता ने भाजपा और नरेंद्र मोदी को मौका दिया है! अब तो देश के लोग इस सरकार से उम्मीद कर रहे हैं। नेहरू का या इंदिरा गांधी का नाम लेकर किसी भी तात्कालिक मुद्दे पर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता है। नेहरू की गलतियां अपनी जगह हैं, जिनके बारे में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी एक सौ साल से बोल रहे हैं। लेकिन लोग तो यह जानना चाहते थे कि पर्यटकों की उतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद पहलगाम घाटी में एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों नहीं तैनात था? लोग यह जानना चाहते थे कि आतंकवादी 20 मिनट तक तांडव करते रहे और उतनी देर में एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं पहुंचा और आतंकवादियों के जवाब देने के लिए एक भी गोली नहीं चली तो ऐसा क्यों हुआ? यह तो संभव नहीं है कि नेहरू या इंदिरा गांधी ने ऐसा करने से रोक दिया था? सरकार को इस पर जवाब देना चाहिए था और अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए थी। लेकिन प्रधानमंत्री के इतने लंबे भाषण में एक बार भी पहलगाम में मारे गए 26 बेकसूर नागरिकों का जिक्र नहीं आया। देश के लोग जानना चाहते थे कि आपरेशन सिंदूर हुआ, जिसमें भारतीय सेना ने अप्रतिम शौर्य का प्रदर्शन किया तो फिर 88 घंटे के भीतर सीजफायर क्यों हो गया? जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के महानिदेशक यानी डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से गुहार लगाई कि पाकिस्तान अब और हमला नहीं झेल सकता है तो युद्धविराम हो गया। सवाल है कि पाकिस्तान मजबूर था कि वह हमारा हमला नहीं झेल पा रहा था लेकिन हमारी क्या मजबूरी थी? हमने क्यों सीजफायर स्वीकार कर लिया? अगर स्वीकार किया तो पाकिस्तान के सामने क्या शर्तें रखीं और क्या उसने हमारी कोई शर्त स्वीकार की? दुनिया के तमाम सामरिक और रक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि भारत को दो तीन दिन और हमले जारी रखने चाहिए थे ताकि पाकिस्तान का सैन्य ढांचा स्थायी रूप से खत्म हो और उसके सैन्य नेतृत्व की कमजोरी पाकिस्तान की जनता के सामने जाहिर हो। लेकिन इसका उलटा हुआ। बिना शर्त युद्धविराम की वजह से पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व को छाती ठोक कर जीत का दावा करने का मौका मिला और आज पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व पहले से ज्यादा मजबूती और ताकत के साथ भारत विरोधी गतिविधियों में लगा है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के बाहर भी उसकी प्रतिष्ठा कम होने की बजाय बढ़ गई है। ऐसा क्यों हुआ कि भारत जीतता हुआ पक्ष था लेकिन उसने बिना शर्त सीजफायर कर लिया, इस सवाल का जवाब नहीं दिया गया। सीजफायर कराने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे का भी स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के किसी नेता ने सीजफायर नहीं कराई। वे संसद में वही बोले, जो ब्राजील में जी 7 देशों के सम्मेलन में बोले थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने गुहार लगाई थी।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में नया तनाव

विनीत नारायण

हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल और हथियारों की खरीद के लिए अतिरिक्त दंड की घोषणा की।

यह कदम भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में महत्त्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से तब जब दोनों देश एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। ट्रंप ने भारत और रूस को मृत अर्थव्यवस्था (डेड इकानमी) कह कर निशाना बनाया और भारत के उच्च टैरिफ और गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाओं को इसका कारण बताया।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्विक व्यापार को प्रभावित करने वाली आक्रामक टैरिफ नीतियों को अपनाया है। 7 अगस्त, 2025 से लागू होने वाले 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान करते हुए ट्रंप ने इसके लिए भारत के रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद को प्रमुख कारण बताया। उनके अनुसार, भारत रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा खरीदार है, जो यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान के समय में अस्वीकार्य है। इसके अतिरिक्त, ट्रंप ने भारत के उच्च टैरिफ (जिसे उन्होंने दुनिया में सबसे अधिक बताया) और गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाओं की भी आलोचना की। ट्रंप ने पहले 20-25 प्रतिशत टैरिफ की संभावना जताई थी, लेकिन अंतिम घोषणा में अतिरिक्त दंड भी शामिल किया गया। यह कदम भारत के फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, र प्रतिशत और आभूषण और आटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है, जो अमेरिका के साथ भारत के व्यापार के महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कांग्रेस नेता और लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था वाले बयान का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। कहा, हां, ट्रंप सही हैं। हर कोई जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत है, सिवाय प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के। मुझे खुशी है कि ट्रंप ने यह तथ्य सामने रखा। दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। भाजपा ने अडानी को मदद करने के लिए अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। राहुल ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाए, विशेष रूप से नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी अर्थव्यवस्था के पतन के कारण बताए। उन्होंने यह भी पूछा कि ट्रंप के भारत-पाकिस्तान सीजफायर को लेकर बार-बार किए जा रहे दावों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी क्यों है?

कांग्रेस पार्टी ने इस टैरिफ को भारत की विदेश नीति की विफलता के रूप में चित्रित किया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, राहुल गांधी ने पहले ही इस बारे में चेतावनी दे दी थी। यह टैरिफ हमारी अर्थव्यवस्था, निर्यात, उत्पादन और रोजगार पर असर डालेगा। हम अमेरिका को फार्मास्यूटिकल्स निर्यात करते हैं, और 25 प्रतिशत टैरिफ से ये महंगे हो जाएंगे जिससे मांग कम होगी और उत्पादन तथा रोजगार पर असर पड़ेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए और टैरिफ को भारत के व्यापार, एमएसएमई और किसानों के लिए हानिकारक बताया। अन्य विपक्षी नेताओं ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने इसे भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बुरे दिनों की शुरुआत बताया, जबकि असदुद्दीन ओवैसी ने ट्रंप को व्हाइट हाउस का जोकर कह कर उनकी आलोचना की।

वहीं, अर्थशास्त्रियों ने इस टैरिफ के भारत की अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभाव को लेकर मिश्रित राय व्यक्त की है। कुछ का मानना है कि इसका प्रभाव सीमित होगा जबकि अन्य ने दीर्घकालिक नुकसान की चेतावनी दी है। इंवेस्टमेंट इनफार्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आफ इंडिया (इक्रा) की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, प्रस्तावित टैरिफ और दंड हमारी अपेक्षा से अधिक हैं, और इससे भारत की जीडीपी की वृद्धि पर असर पड़ सकता है। प्रभाव की गंभीरता दंड के आकार पर निर्भर करेगी। अर्नेस्ट एंड यंग इंडिया (ईवाई) के व्यापार नीति विशेषज्ञ अग्नेर सेन ने कहा, टैरिफ से समुद्री उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, चमड़ा और आटोमोबाइल जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे। ये क्षेत्र भारत-अमेरिका व्यापार में मजबूत हैं, और टैरिफ से इनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है। फाउंडेशन फार इकोनामिक डवलपमेंट के राहुल अहलूवालिया ने चेतावनी दी कि टैरिफ भारत को वियतनाम व चीन जैसी अन्य एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कमजोर कर सकता है। उनके अनुसार, निर्यात आपूर्ति श्रृंखलाओं के भारत की ओर स्थानांतरण की संभावना नहीं है।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने आशावादी रुख भी अपनाया है। फिक्की के अध्यक्ष हषर्वर्धन अग्रवाल ने कहा, हालांकि यह कदम दुर्भाग्यपूर्ण है और हमारे निर्यात पर असर डालेगा। लेकिन हमें उम्मीद है कि यह अल्पकालिक घटना होगी और दोनों पक्ष जल्द ही एक स्थायी व्यापार समझौते पर पहुंच जाएंगे। भारत सरकार ने इस मुद्दे पर सतर्क और संयमित रुख अपनाया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में कहा, हम राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। भारत ने एक दशक में फैजाइल फाइव से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने का सफर तय किया है। सरकारी सूत्रों ने संकेत दिया है कि भारत तत्काल जवाबी टैरिफ लगाने की बजाय बातचीत का रास्ता अपनाएगा। एक सूत्र ने कहा, चुप्पी सबसे अच्छा जवाब है। हम बातचीत की मेज पर इस मुद्दे को हल करेंगे।

कुल मिलाकर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त दंड ने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में नया तनाव पैदा कर दिया है। राहुल गांधी और विपक्ष ने इसे सरकार की आर्थिक और विदेश नीति की विफलता के रूप में प्रस्तुत किया है, जबकि अर्थशास्त्रियों ने इसके मिश्रित प्रभावों की ओर इशारा किया है। जहां कुछ क्षेत्रों पर तत्काल असर पड़ सकता है, वहीं भारत के पास अन्य बाजारों में विविधता लाने और बातचीत के जरिए समाधान खोजने का भी अवसर है। यह स्थिति न केवल आर्थिक, बल्कि भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक हितों को संतुलित करना होगा। देखना यह है कि आने वाले दिनों में सरकार इस समस्या से कैसे निपटती है।

(लेख में विचार निजी हैं)

शुगर कंट्रोल करने के साथ फैट भी कम करता है यह ड्रिंक

आजकल कम उम्र में भी लोग डायबिटीज के शिकार हो रहे हैं। ज्यादातर यह समस्या उन लोगों में देखने को मिलती है जो सेडेंटरी लाइफ जीते हैं। मोटापा के कारण डायबिटीज हो जाती है। ऐसे में हम आपको एक खास ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं जिससे फैट भी लॉस होगा और ब्लड शुगर को कम करने में भी मदद मिलेगी।

शुगर कंट्रोल करने में कैसे मददगार है दालचीनी वाटर

- दालचीनी का पानी पीने से इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। शरीर इंसुलिन के प्रति अधिक संवेदनशील होता है तो बेहतर तरीके से शुगर को कोशिकाओं में पहुंचा सकता है ।
- दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो ग्लूकोज के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं,इससे अचानक से शुगर बढ़ने की समस्या नहीं होती है।
- दालचीनी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। डायबिटीज के मरीजों में सूजन बढ़ने से शुगर नियंत्रण प्रभावित होता है।
- दालचीनी ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती है,जिससे शरीर में शुगर का इस्तेमाल सही तरीके से होता है जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करता है।

फैट घटाने में भी मददगार है दालचीनी वाटर

- दालचीनी का पानी पीने से शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद मिलती है जब मेटाबॉलिज्म तेज होता है तो शरीर अधिक ऊर्जा खर्च करता है और कैलोरी बर्न होती है। यह फैट लूज करने की प्रक्रिया को गति देता है। वहीं यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाने में मदद करती है जिससे शुगर का अवशोषण बेहतर होता है और शुगर फैट में बदलने की संभावना कम हो जाती है। दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं इससे भी फैट लॉस करने की प्रक्रिया में सुधार होता है।

ऐसे तैयार करें दालचीनी का पानी

- इसके लिए एक गिलास पानी गैस पर उबालने के लिए चढ़ाएं।
- अब इसमें एक चुटकी दालचीनी पाउडर डालें।
- जब यह अच्छी तरह से बॉयल हो जाए तो इसे छानकर सिप-सिप कर पिएं।

1 छोटा सा गुलाब जामुन, लेकिन खतरे अनगिनत

भारत में मिठाइयों का अपना खास महत्व है, खासकर गुलाब जामुन का। चाहे कोई त्योहार हो, शादी-ब्याह या फिर ऑफिस पार्टी—बिना गुलाब जामुन के सब अधूरा लगता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक छोटे से गुलाब जामुन में कितनी चीनी और तेल छिपा होता है? एक हालिया रिपोर्ट ने इस बात का खुलासा किया है कि एक गुलाब जामुन में छिपा शुगर और सैचुरेटेड फैट का स्तर आपके शरीर को सीधा नुकसान पहुंचा सकता है। यह न सिर्फ मोटापा बढ़ाता है, बल्कि हार्ट डिजीज, डायबिटीज और लीवर से जुड़ी समस्याओं की भी वजह बन सकता है।

एक गुलाब जामुन में कितना शुगर और फैट छिपा है?

शायद आपको जानकर हैरानी हो कि एक छोटा-सा गुलाब जामुन औसतन 125 से 150 कैलोरी तक देता है। इसमें लगभग 20 ग्राम चीनी और 5 ग्राम से ज्यादा सैचुरेटेड फैट छिपा होता है। यानी इसे खाने से आप बिना सोचे-समझे अपने शरीर में काफी मात्रा में अनहेल्दी चीजें डाल लेते हैं। लगातार इस तरह के मिठाई के सेवन से शरीर में फैट जमा होता है, मेटाबॉलिज़्म धीमा होता है और तेजी से वजन बढ़ने लगता है। अगर आप वजन नियंत्रित रखना चाहते हैं, तो यह जरूरी है कि आप मिठाइयों को समझदारी से खाएं और उनके पोषण तत्वों को जानें।

क्यों मीठा सिर्फ स्वाद नहीं, सेहत पर भी भारी है भारतीय समाज में मीठा खाना संस्कार माना जाता है, लेकिन अब वक्त है इस सोच को थोड़ा बदलने का। आज की जीवनशैली में जहां फिजिकल एक्टिविटी कम है, वहां अत्यधिक चीनी का सेवन शरीर पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है। मीठा न केवल ब्लड शुगर को असंतुलित करता है बल्कि लिवर फैट और हाई ट्राइग्लिसराइड्स का कारण भी बनता है। बच्चों और बुजुर्गों में यह असर और भी खतरनाक होता है। इसलिए हमें यह समझना होगा कि स्वाद के नाम पर हम अपनी सेहत से कितना बड़ा समझौता कर रहे हैं।

बच्चों और बुजुर्गों के लिए कितना खतरनाक है मीठा

बच्चों में अधिक मिठाई खाने से मोटापा, दांतों की सड़न, और हाइपरएक्टिविटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वहीं बुजुर्गों में मीठा ब्लड शुगर को बिगाड़ सकता है, जिससे डायबिटीज, हार्ट डिजीज और किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार लोग सोचते हैं कि थोड़ा मीठा खाने से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यही थोड़ी-थोड़ी मात्रा मिलकर शरीर पर बड़ा असर डालती है। खासतौर पर बच्चों की आदतों को बचपन से ही सही दिशा देना जरूरी है ताकि आगे चलकर उन्हें हेल्थ से जुड़ी दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

एक गुलाब जामुन रोज़ खाना क्यों खतरनाक हो सकता है

अगर आप रोज़ एक गुलाब जामुन खाते हैं, तो यह आदत धीरे-धीरे आपके शरीर में शुगर की ओवरलोडिंग कर सकती है। शरीर में अतिरिक्त शुगर जब ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल नहीं होती, तो वह फैट में बदल जाती है और पेट, जांघों और लिवर में जमा होने लगती है। इससे इंसुलिन रेसिस्टेंस की स्थिति बनती है, जो डायबिटीज का शुरुआती चरण हो सकता है। साथ ही, शुगर ब्रेन पर भी असर डालता है और खाने की लत जैसी आदतें विकसित हो सकती हैं। इसलिए मिठाइयों को नियमित आदत न बनाएं बल्कि त्योहारों या खास मौकों तक सीमित रखें।

कैसे लें सेहतमंद मीठे का विकल्प

मीठा खाना पूरी तरह बंद करना जरूरी नहीं, लेकिन समझदारी से चुनाव करना बेहद जरूरी है। गुड़, खजूर, नारियल चीनी, या शहद जैसे नैचुरल विकल्प आजकल खूब प्रचलित हो रहे हैं। साथ ही, घर पर बनी मिठाइयों में आप शुगर की मात्रा नियंत्रित कर सकते हैं। बाजार की मिठाइयों से बचें क्योंकि उनमें शुगर और ऑइल दोनों की मात्रा अधिक होती है। ड्रायफ्रूट्स, ताजे फल और दही के साथ मिलाकर भी हेल्दी डेज़र्ट तैयार किए जा सकते हैं। संतुलन ही कुंजी है—अगर आपको मीठा पसंद है, तो उसे पोषण के साथ मिलाकर खाएं और सेहत का स्वाद भी लें।

ये 5 टेस्ट बताते हैं कि कितना हेल्दी है आपका दिल

आजकल कम उम्र में ही दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। आए दिन टीवी चैनल, सोशल मीडिया या अपने आस-पास भी हम हार्ट अटैक की वजह से लोगों के जान गंवाने के मामले सामने आ रहे हैं। बुजुर्ग और युवा ही नहीं बल्कि आजकल बच्चे भी हार्ट फेल का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में दिल की सेहत पर ध्यान देना और हार्ट हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए सही डाइट और लाइफस्टाइल को फॉलो करना बहुत जरूरी है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ होने पर आपको दिल की बीमारी को लेकर सतर्क हो जाना चाहिए लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे टेस्ट हैं, जो इस बात की जानकारी देते हैं कि दिल में कुछ गड़बड़ है और आपको इन टेस्ट को जरूर करवाना चाहिए। दिल की सेहत का हाल जानने के लिए जरूर करवाएं ये टेस्ट

- एक्सपर्ट का कहना है कि hs-CRP (हाई सेंसिटिविटी सी-रिएक्टिव प्रोटीन) टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। यह किसी भी इंफ्लेमेशन की जानकारी देता है, जो हार्ट फंक्शन को प्रभावित करता है।
- लाइपोप्रोटीन (ए) यह एक जेनेटिक मार्कर है, जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता है और शायद ही कोई इसकी जांच करवाता है लेकिन असल में इसका हमारे दिल के साथ गहरा रिश्ता है।
- अगर आपका एलडीएल नॉर्मल है यानी शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल नहीं बढ़ा है, तब भी ये दो टेस्ट दिल को अगर कोई खतरा है तो उसकी जानकारी दे देता है।
- इसके अलावा होमोसिस्टीन का टेस्ट करवाना भी जरूरी है। इसका लेवल बढ़ा हुआ होने पर आर्टरी की दीवारें डैमेज हो सकती हैं और क्लॉट का बनना बढ़ जाता है।
- ApoB (एपोलिपोप्रीटन बी) भी एक सटीक टेस्ट है, जो एलडीएल की तुलना में ज्यादा प्रभावी है। यह खतरनाक लिपोप्रोटीन के सही नंबर की जानकारी देता है।
- ब्लड शुगर की वजह से भी हार्ट हेल्थ पर असर होता है। इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण वजन बढ़ता है, इंफ्लेमेशन बढ़ता है और दिल पर अधिक दवाब पड़ता है। ऐसे में खाली पेट इंसुलिन की जांच भी जरूरी है।

कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से कैसे होता है दिल पर असर? इन फूड्स से होगा कम

सेहतमंद रहने के लिए दिल का हेल्दी होना जरूरी है और हार्ट हेल्थ के लिए कोलेस्ट्रॉल लेवल को मैनेज किया जाना चाहिए। शरीर में जहां गुड कोलेस्ट्रॉल जरूरी है, वहीं, बैड कोलेस्ट्रॉल, दिल पर बुरा असर डालता है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल, खान-पान की गलत आदतें वगरैह कोलेस्ट्रॉल लेवल पर असर डालती हैं। डाइट में कुछ बदलाव कर, आप इसे मैनेज कर सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से दिल पर क्या असर होता है और किन फूड्स को डाइट में शामिल करने से इसे मैनेज किया जा सकता है।

कोलेस्ट्रॉल एक तरह का लिपिड (वसा) होता है जो वैक्सी (मोम जैसा) होता है। लिपिड में वसा, मोम, स्टेरॉल, वसा में घुलनशील विटामिन (जैसे विटामिन ए, डी, ई एवं के) मोनोग्लिसराइड शामिल होते हैं। हमारे शरीर में मौजूद, ज्यादातर कोलेस्ट्रॉल, हमारे लिवर से आते हैं और बाकी हम जो भी डाइट लेते हैं, उससे हमारे शरीर में पहुंचते हैं। हमारे शरीर में कई तरह के फंक्शन्स के लिए कोलेस्ट्रॉल जरूरी होता है। लेकिन जब ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ जाता है, तो उससे स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से धमनियों की दीवारों के भीतर प्लाक जमता है, धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसकी वजह से ब्लड फ्लो में रुकावट आती है। यदि प्लाक बनना जारी रहता है, तो यह धमनियों में दबाव बना सकता है, जिससे रक्त का थक्का जम सकता है। प्लाक और रक्त के थक्के, धमनियों को सख्त करते हैं, जिससे हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

क्या होता है गुड और बैड कोलेस्ट्रॉल?

लिपोप्रोटीन्स प्रोटीन और लिपिड्स (फैट्स) से मिलकर बने होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को ब्लड के जरिए हमारी बॉडी की सी सेल्स में भेजता है। लिपोप्रोटीन्स मुख्य तौर पर दो तरह के होते हैं। लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन्स, जिसे बैड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है और हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन ,जिसे गुड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है। एलडीएल, कोलेस्ट्रॉल को पूरे शरीर में लेकर जाता है। यह धमनियों की दीवारों पर जमा हो जाता है और उन्हें संकीर्ण बनाता है। वहीं, एचडीएल, धमनियों से एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल को हटाने में मदद करता है और इसे वापस लिवर को भेजता है। इसलिए, एलडीएल के लेवल को कम रखना और एचडीएल के लेवल को सही रखना जरूरी है।

बैड कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने वाले फूड्स

- हेल्दी अनसैचुरेडेट फैट्स, बैड कोलेस्ट्रॉल को बैलेंस करते हैं।
- कोलेस्ट्रॉल लेवल को मैनेज करने के लिए अखरोट, बादाम, सूरजमुखी और तरबूज के बीज, चिया और फ्लैक्स सीड्स, फैटी फिश, एवाकाडो और ऑलिव ऑयल को डाइट का हिस्सा बनाना चाहिए।
- इसके अलावा, डाइट में फाइबर की मात्रा पर भी ध्यान देना चाहिए।
- रोज कम से कम 30 ग्राम फाइबर को डाइट में शामिल करें।
- इसके लिए मिलेट्स, दालें, फल,सब्जियां, नट्स (ये होते हैं हेल्दी नट्स) और सीड्स को खाना चाहिए।
- फाइबर, ब्लड में कोलेस्ट्रॉल के अब्जॉर्बशन को कम करता है, जिससे बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल सही रहता है।
- सुबह लहसुन की 1-2 कली गुनगुने पानी के साथ खाली पेट लें। लहसुन में एलिसिन पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है।
- मौसमी फल और सब्जियों को भी खाएं। इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करती हैं।
- बेरीज और खट्टे फल जैसे किवी, संतरा, अनानास और नींबू खाएं।
- सही फैट को खाएं और सैचुरेटेड व ट्रांस फैट्स को अवॉइड करें क्योंकि ये खून में बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं।

शहद के साथ भूल से भी ना मिलाकर खाएं ये चीजें, सेहत को होगा नुकसान

शहद को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन आपको कुछ फूड्स को इसके साथ नहीं खाना चाहिए। इससे आपको कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

शहद एक बेहतरीन नेचुरल स्वीटनर है, जिसमें एंटी-बैक्टीरियल व एंटी-ऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। शहद के एंटी-ऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल लेवल को इंप्रूव करके हार्ट को भी हेल्दी रखते हैं। इसे अधिकतर लोग अपनी वेट लॉस जर्नी का हिस्सा भी बनाते हैं। यह आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने से लेकर डाइजेस्टिव हेल्थ तक का ख्याल रखता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि शहद के सिर्फ लाभ ही लाभ हैं, लेकिन आपको इसके फायदे तभी मिलते हैं, जब इसका सेवन सही तरह से किया जाए। आपको शायद पता ना हो, लेकिन शहद को हर चीज़ के साथ नहीं खाया जा सकता। कुछ ऐसे फूड आइटम्स होते हैं, जिनके साथ अगर शहद का सेवन किया जाता है, तो वे एक तरह से ज़हर का काम करते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद के साथ लिए जाने वाले कुछ ऐसे ही बैड फूड कॉम्बिनेशन के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

गर्म पानी के साथ

अधिकतर लोग अपनी वेट लॉस जर्नी में शहद को गर्म या उबलते पानी में मिक्स करके पीते हैं। हालांकि, ऐसा करने से शहद टॉक्सिक हो जाता है और आपको समय के साथ पाचन संबंधी समस्याएं, मेटाबॉलिज्म असंतुलन और यहां तक कि कई अन्य तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आप गुनगुने पानी में शहद ले सकते हैं, लेकिन तेज गर्म या उबलते पानी में कभी भी शहद मिक्स ना करें। गर्म पानी के अलावा गरमा-गरम दूध, चाय या कॉफी में भी शहद मिलाने से बचना चाहिए। इनके तापमान के कारण शहद से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

नॉन-वेज फूड के साथ

शहद को कभी नॉन-वेज आइटम्स खासतौर से फिश और मीट के साथ बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। दरअसल, शहद और मीट की पाचन संबंधी ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं और जब इन्हें एक साथ खाया जाता है, तो ये पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं। जिससे आपको पाचन संबंधी समस्याएं जैसे अपच, ब्लोटिंग और बेचैनी हो सकती है। हमेशा नॉन-वेज फूड आइटम्सऔर शहद के सेवन के बीच आप कम से कम एक घंटे का गैप जरूर रखें।

फरमेंटेड फूड के साथ

शहद को फरमेंटेड फूड के साथ लेने से भी बचना चाहिए। अगर आप शहद को अचार, दही या किमची जैसे फरमेंटेड फूड आइटम्स के साथ लेते हैं तो इससे आपको पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। फरमेंटेड फूड आइटम्स प्रोबायोटिक्स से भरपूर होते हैं और शहद की तुलना में इनका पीएच लेवल अलग होता है। इसलिए जब इन्हें एक साथ लिया जाता है तो इससे आपको पाचन संबंधी परेशानी, गैस या ब्लोटिंग आदि की शिकायत हो सकती है।

टोफू के साथ

शहद और सोया का फूड कॉम्बिनेशन भी सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। आपको शहद को कभी भी टोफू या सोया मिल्क के साथ नहीं लेना चाहिए। सोया में ऐसे कंपाउंड होते हैं जो कैल्शियम जैसे मिनरल्स के अवशोषण को बाधित कर सकते हैं और जब आप इसे शहद के साथ मिक्स करके लेते हैं तो इससे आपको पाचन संबंधी गड़बड़ी, जैसे गैस या ब्लोटिंग की शिकायत हो सकती है। साथ ही साथ, शरीर के लिए पोषक तत्वों के अवशोषण में भी समस्या पैदा हो सकती है।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने श्री राम लला दर्शन यात्रियों को दिखाई हरी झंडी

श्रद्धालुओं की मंगल यात्रा के लिए की प्रार्थना

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के नागरिकों को श्री राम लला के दर्शन कराने हेतु शुरू की गई श्री राम लला दर्शन योजना के अंतर्गत बसना विधानसभा क्षेत्र से तीर्थयात्रियों का एक विशेष दल आज अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। इस अवसर पर बसना के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने स्वयं उपस्थित होकर तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दीं और बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने तीर्थयात्रियों की यात्रा पर कहा कि मैं प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि सभी यात्रियों की यात्रा मंगलमय हो। यह योजना हमारे प्रदेशवासियों को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करेगी और राम लला के दर्शन से जीवन में नई प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस योजना के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से

जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह योजना न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करती है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को भी बढ़ावा देती है। अयोध्या धाम की यह यात्रा श्रद्धा, संस्कृति और एकता का प्रतीक है। मैं सभी तीर्थयात्रियों से आग्रह करता हूं कि वे इस यात्रा को पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ संपन्न करें। विधायक डॉ अग्रवाल ने यह भी जानकारी दी कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए 5 एस्कॉर्ट ऑफिसर भी दल के साथ रवाना हुए हैं, जो यात्रा के दौरान हर प्रकार की सहायता प्रदान करेंगे।

आपको बता दें कि इस पावन यात्रा में कुल 158 तीर्थयात्री अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए हैं। जिसमें 101 ग्रामीण और 52 नगरीय निकाय से यात्री रवाना हुए है। जिसमें 5 एस्कॉर्ट ऑफिसर भी शामिल हैं। तीर्थयात्रियों में 82 पुरुष 76 महिला शामिल है ।

बसना से रवाना हुई यह यात्रा न केवल श्रद्धालुओं के लिए एक आध्यात्मिक अनुभव है, बल्कि छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जीवंत उदाहरण भी है। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की उपस्थिति और उनके प्रेरणादायक शब्दों ने यात्रियों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया।

उक्त कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठजन जनपद पंचायत बसना के सीईओ पीयूष ठाकुर सहित भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामवासी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एक तरफ 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम दूसरी ओर क्षेत्र मे बेसकीमती पेड़ों की खुली कटाई

महासमुंद(समय दर्शन)। एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार 11 अगस्त को 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे पर्यावरण संरक्षण के संदेश वाले कार्यक्रम में शामिल होने महासमुंद जिले आये, वहीं दूसरी ओर जिले के झलप क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों की बेधड़क अवैध कटाई ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक तरफमुख्यमंत्री द्वारा सिंदूर पार्क लगाने पौधारोपण हेतु दुर्गापाली मे प्रदेश भाजपा की टीम व शासन प्रशासन फोकस कर रही है ?

इसी बीच झलप समीपस्थ दर्री बिड जंगल से लगे ग्राम जोरातराई में लकड़ी तस्करों द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध कटाई की खबर है। ग्रामीणों के अनुसार सेमरा के विशाल पेड़ो को काटकर ट्रैक्टर से बाहर ले जाए गए, और यह सब वन अमले की नज़रों के सामने हुआ। बिड गार्ड की भूमिका पर संदेह जताते हुए ग्रामीणों ने कहा कि विभाग के कुछ कर्मचारी निगरानी करने के बजाय घरों में आराम फरमा रहे हैं। नाम न उजागर करने की शर्त पर ग्रामीणों ने यह भी बताया कि बेसकीमती लकड़ी की तस्करी लंबे समय से जारी है और इसमें मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री के पर्यावरण संदेश के बीच ऐसी घटनाएं प्रशासन की गंभीर लापरवाही और जमीनी स्तर पर व्यवस्था की पोल खोल रही हैं।

विधायक पुन्नूलाल मोहले के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

बरेला और सेतगंगा से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण के बाद अटल परिसर में हुआ समापन, भारी जनसहभागिता

मुंगेली(समय दर्शन)। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को मुंगेली विधानसभा स्तरीय तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व विधायक पुन्नूलाल मोहले ने किया। यात्रा की शुरुआत दोपहर 1 बजे बरेला और सेतगंगा से एक साथ हुई, जो नगर भ्रमण करते हुए बरसते पानी के बीच अटल परिसर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में जाकर संपन्न हुई।

विधायक मोहले ने यात्रा के समापन अवसर पर कहा कि भारत माता के सच्चे सपूत देश की सेना के शौर्य और पराक्रम पर गर्व करते हैं, लेकिन कुछ राजनैतिक दल बार-बार सेना के पराक्रम पर सवाल उठाकर सबूत मांगते हैं, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशहित में लिए गए फैसले यह दर्शाते हैं कि

भारत अब किसी दबाव के आगे नहीं झुकता।उन्होंने बताया कि मुंगेली विधानसभा क्षेत्र के सभी 5 मंडलों बरेला, सेतगंगा, जरहागांव, लौदा और नगर मंडल से भारी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों की भागीदारी रही। तिरंगा यात्रा के दौरान राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और जनजागरूकता का संदेश भी दिया गया।इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी एवं तिरंगा यात्रा के जिला प्रभारी शैलेश पाठक ने सभी प्रतिभागियों और जनसामान्य का आभार व्यक्त किया।

तिरंगा यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जनपद अध्यक्ष रामकमल सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, पदमनी मोहले, नगर मंडल अध्यक्ष सौरभ बाजपेयी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजीव श्रीवास, सेतगंगा मंडल अध्यक्ष सुखचंद साहू, जरहागांव मंडल अध्यक्ष नागेश्वर जायसवाल (बंटी), लौदा मंडल अध्यक्ष अभिलाष त्रिवेदी सहित सभी मंडलों के महामंत्री, पदाधिकारी, पार्षदगण, सरपंच एवं जनपद सदस्यगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त-खबर

उप मुयमंत्री के निर्देश पर मनियारी जलाशय से छोड़ा गया पानी

मुंगेली(समय दर्शन)। लोरमी विकासखंड के ग्राम खुड़िया में स्थित राजीव गांधी जलाशय (मनियारी) से 01 लाख 29 हजार एकड़ क्षेत्र में खरीफ फसलों के लिए पानी छोड़ा गया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को खरीफ फसलों की सिंचाई हेतु जल उपलब्ध होगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जल वितरण व्यवस्था की निगरानी और किसानों तक समय पर जल पहुंचाने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि जिले के किसानों को बिना किसी बाधा के सिंचाई जल उपलब्ध हो।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि खुड़िया जलाशय वर्तमान में 150.68 मि.घ.मी. अर्थात 102 प्रतिशत पानी भरा हुआ है और वेस्ट वियर के माध्यम से भी पानी निकल रहा है। पानी छोड़ने से सिंचाई के साथ ही ग्रामीणों को निस्तारी के लिए जल की सुविधा मिलेगी। साथ ही पशुपालन और विभिन्न कार्यों में भी राहत मिलेगी। जलाशय का गेट खुलने के बाद क्षेत्र के लोगों ने उप मुख्यमंत्री, कलेक्टर और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पुराने विवाद को लेकर शराब की शीशी से सिर पर वार

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा थाना क्षेत्रान्तर्गत शहरी सीमा से लगे रानी सागर पारा मे पुरानी विवाद को लेकर, गाली गलौज कर शराब शीशी से सिर पर वार करने का मामला प्रकाश में आया है।

आवेदिका मखियारिन पटेल ने पुलिस को बताया कि वह रानीसागर पारा पिथौरा में रहती है । पढ़ी लिखी नही है रोजी मजदूरी का काम करती है,कि दिनांक 09.08.2025 को रक्षा बंधन त्यौहार होने से शाम करीबन 5बजे घर में छोटे दामाद भोग सिंग पटेल एवं बेटा कृष्णा पटेल दोनो आपस में बैठकर आंगन में शराब पी रहे थे, इसी बीच शराब कम ज्यादा हो जाने की बात को लेकर दामाद भोगसिंह ने बेटे कृष्णा पटेल को अश्लील गाली गलौच कर शराब की शीशी से बेटे कृष्णा पटेल के सिर में मारकर चोट पहुंचा दिया। जिस पर पिथौरा पुलिस ने 115 (2)-बीएनएस, 296-बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

हसदेव नदी एनीकेट में मिला बच्चे का शव, पहचान की तलाश

कोरबा (समय दर्शन)। हसदेव नदी एनीकेट में रविवार शाम करीब 4.30 बजे एक बच्चे का शव पानी में तैरते हुए मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी तत्काल दर्री पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर मरचुरी भेज दिया गया। मृतक बच्चे की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के लोगों और थानों को सूचना दी है। किसी भी व्यक्ति को बच्चे की पहचान हो तो वह दर्री थाना प्रभारी से संपर्क कर सकता है। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि बच्चे की मौत पानी में डूबने से हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

ट्रेनों की पेंट्री कार से घटिया खाने की आपूर्ति, विरोध करने पर यात्री हो रहे बदसलूकी का शिकार

रायपुर (समय दर्शन)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन से अनेकों लंबी दूरी की गाड़ियां विभिन्न स्टेशनों के लिए आती जाती है। यात्रियों के साथ एससीआरसीटी द्वारा पेंट्रीकार से इन दिनों दिया जा रहा भोजन बेहद घटिया क्वालिटी का है। यात्रियों के अनुसार क्षेत्र से गुजरने वाली प्रमुख एक्सप्रेस सुपरफास्ट ट्रेनों में यथा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस उत्कल एक्सप्रेस हावड़ा मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस, हावड़ा पूना दुरंतो एक्सप्रेस हटिया पूणे एक्सप्रेस एवं राजधानी एक्सप्रेस बिलासपुर से दिल्ली के बीच पेंट्री कार से घटिया खाने की आपूर्ति होने पर इस संबंध में बिलासपुर निवासी अशोक चौहान द्वारा जोन महाप्रबंधक कार्यालय में शिकायत करने पर एक माह बाद भी उन्हें कोई समुचित उत्तर नहीं मिला है। चौहान सहित अनेक यात्रियों ने जुलाई माह में 15 से 20 जुलाई के मध्य की जा रही यात्रियों के दौरान ट्रेन मैनेजर से शिकायत की थी इसके बाद पेंट्री कार की कर्मियों में जिन यात्रियों की शिकायत थी उनके पास पहुंचकर गाली गलौज की। वहीं कुछ बड़े स्टेशनों में हाल ही में स्टेशन में खाना नास्ता की आपूर्ति कर रहे वेन्डरों के साथ भी एसी कोच एवं स्लीपर कोच में मारपीट की जानकारी प्राप्त हुई है।

राज्य स्तरीय जुजित्सु टेक्निकल सेमिनार एवं टीम चयन प्रतियोगिता का डोंगरगढ़ में सफल समापन

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। जुजित्सु एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में नगर के कन्या शाला स्पोर्ट्स हॉल में 9 व 10 अगस्त को आयोजित राज्य स्तरीय जुजित्सु टेक्निकल सेमिनार एवं टीम चयन प्रतियोगिता का रविवार को भव्य समापन हुआ। इस दो दिवसीय आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चयनित खिलाड़ी आगामी सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पहले दिन विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण, नियमों की जानकारी व प्रतियोगी रणनीतियों का मार्गदर्शन दिया। दूसरे दिन चयन मुकाबले हुए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों में बस्तर, कांकेर, कोण्डागांव, चिरमिरी, बालोद, रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, बिलासपुर, कबीरधाम, दुर्ग और राजनांदगांव के खिलाड़ी शामिल रहे। समापन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, वरिष्ठ भाजपा नेता अमित जैन, शहर मंडल अध्यक्ष जसमीत सिंह बन्नोओना, जिला खेल संघ अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी, सरस्वती शिशु मंदिर प्राचार्य प्रकाश यादव, जिला सचिव (स्काउट-गाइड) देवेंद्र अंबादे, ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार नंदेश्वर सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। साथ ही जुजित्सु एसोसिएशन के महासचिव राणा अजय सिंह व विभिन्न जिलों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी ने पूर्व विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर देते हैं। रमन डोंगरे ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं। अमित जैन ने कहा कि छोटे नगरों से भी बड़े खिलाड़ी निकल सकते हैं, यदि उन्हें सही प्रशिक्षण व अवसर मिले। पूरे आयोजन में खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और सौहार्द्र का परिचय दिया। दर्शकों का उत्साह और अतिथियों के प्रेरक संबोधन ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। आयोजन के अंत में आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में इसे और बड़े स्तर पर करने का संकल्प लिया गया।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय शिवज्योति भवन कवर्धा में परमात्मा की स्नेहभरी राखी बांधी

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय उप सेवा केन्द्र शिवज्योति भवन कवर्धा में बीके. नीलेश्वरी दीदी एवं बीके. गोमती दीदी ने उमंग उत्साह से स्थानीय सेवा केन्द्र में नियमित मूल्यनिष्ठ शिक्षा लेने एवं राजयोग के अभ्यासी भाई बहनों को परम पिता परमात्मा के स्नेहभरी राखी बांधी और रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताया।

उन्होने बताया कि मस्तक पर तिलक लगाना माना आत्मस्मृति में रहना सूत्र बंधन माना परमपिता परमात्मा की आत्मिक स्नेह की बंधन में बंधे रहना मुख मीठा कराना माना मुख से सदैव श्रेष्ठ एवं मीठी वाणी बोलना तथा उन्होने राजयोग का अभ्यास कराकर जीवन में श्रेष्ठ एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने व जीवन को सुख, शांति आनंद पूर्वक जीने के लिए दृढ़ संकल्प कर अच्छाईयों को धारण करने व ब्यसनों व बुराईयों को त्यागने के लिए संकल्प पत्र भराकर अथवा प्रेरित किया।

इस अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं एवं

बधाई दी गई। जिसमें सांसद संतोष पाण्डेय का निवास पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट श्रीमती सुशीला भट्ट, संतोष पटेल के निवास प्रतिष्ठित व्यापारी लोकचंद मुणोत, सुरेश चोपड़ा एवं प्रतिष्ठित नागरिक दीपक चौरसिया के निवास पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह, उपपुलिस अधीक्षक को भी राखी बांधी गई। 17 वीं विशेष (भा/र.) वाहिनी छ.ग. बल सरेखा जिला कबीरधाम के जवानों एवं वहां के अधिकारी कर्मचारियो को भी रक्षासूत्र बांधी गई। वृद्धाश्रम में बुजुर्गो को परमपिता परमात्मा को प्रेम पूर्वक याद कर निश्चिंत रहने की विधि बताई एवं उन्हें भी राखी बांधी।

शिवज्योति भवन कवर्धा की बहन बीके. नीलेश्वरी ने बताया कि जिला जेल कबीरधाम में जिला जेल अधीक्षक बंजारे तथा लगभग 250 कैदियों, बंदियों को राखी बांधी और मुंह मीठा कराया। राजनांदगांव से पुष्पा दीदी शहर के आमंत्रित जनों को स्थानीय सेवा केन्द्र शिव ज्योति भवन पर राखी बांधेगी एवं शुभकामनाएं एवं बधाई देंगी जिसमें शहर के आत्मीय जन सादर आमंत्रित है।

ममतामयी मिनीमाता की 53वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि और पर्यावरण महोत्सव

मुंगेली(समय दर्शन)। डॉ.भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय में छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद एवं समाजसेवी मिनीमाता की 53वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पर्यावरण महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों ने भाग लिया।

दीप प्रज्वलन व श्रद्धासुमन अर्पण :- कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के अध्यक्ष राजेन्द्र दिवाकर, व्यवस्थापक एच.आर. भास्कर, अभिभावक एवं पार्षद संजय चंदेल द्वारा मिनीमाता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

मिनीमाता: सेवा, संघर्ष और समर्पण की मिसाल :- शिक्षकों द्वारा छात्रों को मिनीमाता के जीवन, सामाजिक योगदान और राजनैतिक संघर्षों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि कैसे मिनीमाता ने छूआछूत, बाल विवाह, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संसद से लेकर समाज तक प्रभावशाली आवाज़ उठाई। उन्होंने जीवन पर्यंत नारी शिक्षा, मजदूरों के अधिकार, गरीबी और पिछड़ेपन के खिलाफ संघर्ष किया। वे 1952 से लगातार पाँच बार सांसद चुनी गईं और अस्पृश्यता निवारण विधेयक को संसद में पारित करवाने में भी उनकी अग्रणी भूमिका रही।

जनसेवा का संवेदनशील चेहरा :- कार्यक्रम में एक भावनात्मक प्रसंग भी साझा किया गया, जिसमें बताया गया कि ठंड के मौसम में दिल्ली स्थित उनके आवास में रुकने वाले आगंतुकों को वे स्वयं रात में कंबल ओढ़ाने जाया करती थीं।

केंदुढार में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सागरपाली(समय दर्शन)। सागरपाली सरायपाली अंचल में दिनांक 10 अगस्त 2025 दिन रविवार को ग्राम केंदुढार में शासकीय प्राथमिक स्कूल केंदुढार में शुभा सेवा संस्थान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड सरायपाली एवं माधव कृपा ट्रस्ट सरायपाली के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गया ।कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य रूप से सरपंच श्रीमती पूर्णिमा रोहित साहू जी (ग्राम पंचायत केंदुढार), डॉ. सुजाता पटेल (डायरेक्टर, शुभा नर्सिंग होम) एवं डॉ. भागेस्वर पटेल (संचालक, शुभा नर्सिंग होम, सरायपाली) उपस्थित रहीं। रोहित साहु जी द्वारा व्यवस्थता संभाला गया एवं मरीजों को प्रेरित किया गया । इस शिविर में शुभा नर्सिंग होम, सरायपाली की डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं प्रदान की। इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ

अंचल के 80 से अधिक लोगों ने लिया, जिन्होंने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई और नि:शुल्क दवाइयां प्राप्त की।

डॉ. पटेल ने बताया कि इस प्रकार के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन सरायपाली विकासखंड के अन्य कई ग्रामों में भी किया जाना है। शुभा सेवा संस्थान की इस पहल से क्षेत्र के अनेक ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर जांच और उपचार से कई गंभीर बीमारियों को शुरुआती चरण में ही रोका जा सकता है। डॉ. पटेल ने सभी ग्रामीणों से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने की अपील की। साथ ही उन्होंने बताया कि,भविष्य में महिला स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण और वृद्धजनों की विशेष जांच हेतु भी ऐसे शिविर लगाए जाएंगे।

ममतामयी मिनीमाता की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि, मंत्री बघेल ने उनके आदर्शों को बताया समाज का पथप्रदर्शक

बेमेतरा (समय दर्शन)। नवागढ़ के मिनीमाता चौक में आज ममतामयी मिनीमाता जी की पुण्यतिथि पर भव्य श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और सतनामी समाज के सैकड़ों सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री श्री दयालदास बघेल ने मिनीमाता जी की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना कर पुष्पमाला अर्पित की और उनके जीवन संघर्ष एवं योगदान को नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा - मिनीमाता जी ने समानता, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए जो संघर्ष किया, वह समाज के लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए एकता, भाईचारा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाना होगा।

इस अवसर पर सतनामी समाज के वरिष्ठ जनों ने मंत्री श्री बघेल और कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कलेक्टर श्री शर्मा ने अपने उद्बोधन में मिनीमाता जी के जीवन

संघर्ष, समाज सेवा और वंचित वर्ग के अधिकारों के प्रति उनकी निष्ठा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका योगदान अमिट है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा। कार्यक्रम में एसएसपी श्री रामकृष्ण साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री प्रेमलता मंडावी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अजय साहू, अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेई, सभापति श्री अंजू बघेल, एसडीएम बेमेतरा श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज, एसडीएम साजा सुश्री पिंकी मनहर सहित सतनामी समाज बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

कलेक्टर बी.एस.उइके ने अधिकारियों के बीच किया कार्य विभाजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन कर कार्यो का दायित्व सौंपा है।जारी आदेशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रखर चन्द्राकर (आईएएस) पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग,जल संसाधन विभाग,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना,कृषि,मत्स्य, उद्यान,पशुचिकित्सा,दुग्ध डेयरी,रेशम विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर, लाईवलीहुड कॉलेज,मुख्यमंत्री कौशल विकास प्राधिकारण,जनधन योजना एवं समस्त बीमा योजनाएं,समग्र शिक्षा, शिक्षा/तकनीकी/उच्च शिक्षा,सर्व शिक्षा अभियान/राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान,स्वास्थ्य,आयुर्वेद/जीवन दीप समिति/ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के प्रभारी अधिकारी होंगी।इसके अलावा कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के अवकाश अथवा मुख्यालय में न होने की दशा में कलेक्टर गरियाबंद के प्रभार में रहेंगी।

इसी प्रकार अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी का प्रभार दिया गया है।अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे को उप जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य/स्थानीय निर्वाचन) बनाया गया है।साथ ही भू अभिलेख,जनगणना,जिला कार्यालय के जनसूचना अधिकारी,लोक सेवा गांरटी,भाड़ा नियंत्रण अधिकारी, शहरी/ग्रामीण आबादी पट्टों का निराकरण, नापतौल,राजीव गांधी आश्रय योजना अंतर्गत पट्टा,क्रेडा,अधोसंरचना एवं पर्यावरण विकास निधि,जिला योजना एवं सांख्यिकी,जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 व संशोधन नियम 2012, जिला विभागीय जांच अधिकारी, नवीन कानून शाखा,यातायात/जिल सड़क सुरक्षा/ जिला परिवहन,खनिज शाखा का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

अपर कलेक्टर नवीन भगत को सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग का दायित्व सौंपा गया है।साथ ही नवोदय विद्यालय/ केन्द्रीय विद्यालय/ एकलव्य विद्यालय,आदिम जाति कल्याण विभाग, रामलला दर्शन,जिला खेल अधिकारी, सिटीजन चार्टर,नि:शक्तजन कल्याण पुनर्वास, हाथकरघा, खादीग्रामोद्योग, अंत्यावसायी, सहयकारिता,श्रम/बंधुआ मजदूर/बाल श्रम/ बंधक श्रमिक शाखा का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। संयुक्त कलेक्टर हितेश्वरी बाघे को एसडीएम गरियाबंद का दायित्व सौपा गया है।इसी प्रकार अपर कलेक्टर ऋचा ठाकुर को एसडीएम छुरा,डिप्टी कलेक्टर विशाल कुमार महाराणा को एसडीएम राजिम, डिप्टी कलेक्टर तुलसीराम मरकाम को एसडीएम मैनपुर,डिप्टी कलेक्टर रामसिंह सोरी को एसडीएम देवभोग,डिप्टी कलेक्टर अवंति गुप्ता को अधीक्षक/सहायक अधीक्षक (राजस्व/ सामान्य/कार्यपालिक, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिसरण (डूडा),रेडक्रास,जेल,सैनिक कल्याण बोर्ड/अल्पसंख्यक समिति/मानव अधिकारी आयोग,अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग/ 15-20 सूत्रीय कार्यक्रम/ प्राधिकरण आयोग के माननीय अध्यक्षों व सदस्यों से प्राप्त पत्रों पर कार्यवाही/ विभिन्न आयोग से संबंधित कार्य। डिप्टी कलेक्टर नेहा भेड़िया को वरिष्ठ लिपिक शाखा,परीक्षा शखा,राहत शाखा,शिकायत,मुख्यमंत्री सचिवालय जनदर्शन/कलेक्टर जनदर्शन, आनलाईन पीजीएन, सीपीग्राम, पएसीएल,आनलाईन जन शिकायत,पशु अनुज्ञा, आवक-जावक शाखा,तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003, छ.ग.साहूकारी अधिनियम 1934,,वक्फ बार्ड,अधिक अन्न उपजाउ शाखा का प्रभार दिया गया है तथा जिला अंकेक्षक (पंचायत) कुमार सिंह नागेश को प्रभारी उप संचालक पंचायत का दायित्व सौंपा गया।

खबर-खास

15 अगस्त को शुष्क दिवस घोषित, मदिरा दुकाने पूर्णतः बंद रहेगी

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया है।शुष्क दिवस में गरियाबंद जिले के समस्त देशी,विदेशी, कम्पोजिट मदिरा की फुटकर दुकाने एवं मद्य भाण्डागार पूर्णतः बंद रहेगी।कलेक्टर श्री उइके ने जिले के किसी भी अधिकृत एवं अनाधिकृत स्थानों से मदिरा का अवैध निर्माण,आधिपत्य,परिवहन,क्रय-विक्रय, भण्डारण एवं तस्करी पूर्ण नियंत्रण रखने एवं शिकायत प्राप्त होने पर सख्ती से रोक लगाने तथा जप्त करने की कार्यवाही हेतु आदेशित किया है।

जामगांव आर थाना अंतर्गत हुआ दर्दनाक सड़क हादसा दो युवकों की गई जान, तीसरे युवक हॉस्पिटल में लड़ रहा है जिंदगी और मौत से जंग

पाटन (समय दर्शन)। बीती रात जामगांव आर थाना अंतर्गत ग्राम पौहा के पास सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई वही एक युवक मेका हारा रायपुर में जिंदगी और मौत से लड़ रहा है। एक बाइक में तीन लोग पतोरा से वापिस आ रहे थे वहीं कार क्रम ष्द 04 रुरु7333 जामगांव आर की ओर से दुर्ग जा रहे थे जिससे कार और मोटर साइकिल टकरा गई मौके में मोटर साइकिल में बैठे सागर नेताम और टिकेश बारले दोनों की जान चली गई वही तीसरे युवक का हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है ।कार कितनी स्पीड में थी इसका अंदाजा कार के क्षतिग्रस्त स्थिति को देख के लगाया जा सकता है ।

सांसद विजय बघेल पहुंचे भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा को जन्म दिन की बधाई देने, देवांगन भवन पाटन में जुटे है भाजपाई

पाटन (समय दर्शन)। सांसद विजय बघेल आज देवांगन पहुंचे। यहां पर भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा का जन्म उत्सव समारोह में शामिल हुए। उन्होंने जितेंद्र वर्मा को जन्म दिन की बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कीर्ति नायक, उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, केवल देवांगन, लालजी साहू, बाबा वर्मा, सुरेश साहू, हिमाचल साहू, केशव बंछोर, रानी बंछोर, निशा सोनी, सुरेंद्र वर्मा, अखिलेश मिश्रा, मंडल ज्योति साहू, विक्की बंछोर, सहित अन्य मौजूद रहे।

दो मोटरसाइकिल के भिंडत में एक की मौत,एक गंभीर

गरियाबंद (समय दर्शन)। सोमवार के दोपहर को गरियाबंद छुरा मुख्यमार्ग में दो मोटरसाइकिल के भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई,वही एक व्यक्ति को गंभीर चोट लगी है जिसे रायपुर रिफर किया गया है।

घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम खरहरी निवासी 50 वर्षीय दीनबंधु पिता गुहाराम चक्रधारी सोमवार दोपहर चार बजे अपना कार्य निपटा कर अपनी मोटरसाइकिल से वापस अपने घर जा रहा था,उसी दौरान ग्राम बोरझर निवासी एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल से गरियाबंद की ओर आ रहा था।उसी दौरान जिला मुख्यालय से चार किलोमीटर दूर ग्राम नहर गांव के समीप दोनों मोटरसाइकल में आमने सामने भिंडत हो गई,दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग हाइवे पेट्रोलिंग वाहन मौके पर पहुंची तब तक किसी निजी वाहन से दोनों घायलों को जिला अस्पताल लाया चुका था।इस घटना में दीनबंधु की मौत हो गई वही बोर झर निवासी व्यक्ति जिसका मुंह में चोट लगने से जबड़ा टूट गया था उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रायपुर रिफर किया गया है।भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गया है।घटना में सिटी कोतवाली द्वारा रिपोर्ट दर्ज कर मर्ग कायम कायम करते हुए जांच किया जा रहा है।

आपदाओं की पूर्व चेतावनी हेतु सचेत प्रणाली एप डाउनलोड करने के निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (हृष्ठरू) द्वारा बाढ़, आकाशीय बिजली, वनीय आग, लू, ताप-घात सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के संबंध में जनसामान्य को समय रहते सूचना एवं पूर्व चेतावनी प्रदान करने के उद्देश्य से "सचेत प्रणाली" विकसित की गई है। भारत सरकार ने पुलिस, नगर सेना, जिला एवं तहसील स्तर के अधिकारी-कर्मचारी, साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत पटवारी, सरपंच, सचिव, शिक्षक, आशा कार्यकर्ता आदि के मोबाइल में इस एप को अनिवार्य रूप से डाउनलोड करने के निर्देश दिए हैं। यह एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड की जा सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि सचेत प्रणाली आपदाओं के दौरान त्वरित सूचना उपलब्ध कराकर जनहानि एवं नुकसान को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सभी संबंधित विभाग एवं जिम्मेदार व्यक्तियों को इस एप का उपयोग प्रारंभ करने तथा कार्यवाही की सूचना कार्यालय को देने का अनुरोध किया गया है।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का किया निरीक्षण

स्वतंत्रता दिवस पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा होंगे मुय अतिथि

शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने आज शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। तत्पश्चात् मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे।

इस दौरान कलेक्टर-एसपी ने कार्यक्रम स्थल, बैठक व्यवस्था, मंच निर्माण, बेरिकेड्स, सुरक्षा आदि व्यवस्था का निरीक्षण कर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम व अन्य तैयारियों का अवलोकन किया एवं उपस्थित सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी व पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मां की ममता, धरती की हरियाली - एक पेड़ माँ के नाम 2.0 में नवागढ़ का हरियाली संकल्प

बेमेतरा (समय दर्शन)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल के तहत आज शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय, नवागढ़ में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। महाविद्यालय परिसर में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा, जहां विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक एकजुट होकर हरियाली का संकल्प लेने पहुंचे।

पेड़ लगाओ, मां का आशीर्वाद और प्रकृति का साथ पाओ

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई। इसके बाद पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। कैबिनेट मंत्री श्री बघेल ने कहा, मां हमें जन्म देती हैं और पेड़ हमें सांसें। अपनी मां के नाम से लगाया गया पेड़ न केवल पर्यावरण को संवारता है बल्कि हमारी भावनाओं को भी प्रकृति से जोड़ता है। हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाए और उसकी जीवनभर देखभाल करे। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रेरित करते हुए कहा, पढ़ाई और समाज सेवा दोनों जरूरी हैं। पेड़ लगाने के साथ उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने कहा, पेड़ लगाना एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि आजीवन निभाने वाला संकल्प है। आज का पौधा कल समाज को छाया, फल और स्वच्छ वायु देगा। कैबिनेट मंत्री श्री बघेल ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान अंतर्गत बरगद के पौधे का रोपण किया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने पीपल के पौधे का रोपण किया वही पुलिस अधीक्षक ने बेल के पौधे का रोपण किया।

डीएड खैरागढ़ 1998 एवं 2000 बैच का 25 साल बाद भव्य मिलन समारोह संपन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अंबागढ़ चौकी में रविवार, 10 अगस्त को डीएड खैरागढ़ 1998 एवं 2000 बैच के साथियों का 25 वर्षों बाद भव्य मिलन समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। साहू धर्मशाला भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर और दूर-दराज क्षेत्रों से आए मित्रों ने एक बार फिर पुराने रिश्तों को संजोया और यादों को ताजा किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ, जिसके बाद दिनभर मित्रों के आगमन, आपसी संवाद और स्मृतियों के साझा करने का सिलसिला चलता रहा। आयोजन समिति के सदस्य कीरत कुमार गणवीर ने कहा कि यह सिर्फ एक औपचारिक मिलन नहीं, बल्कि 25 साल पुराने बंधन को फिर से मजबूत करने और आगे भी जुड़े रहने का संकल्प है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल मानिकपुरी और अल्वा फाउंडेशन, न्यू दिल्ली के चेयरमैन हेमशंकर जेठमल उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षिका चंद्रश्री दामले और ग्रुप एडमिन ज्ञानचंद साहू ने की।

समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद, समूह चर्चा और सामूहिक भोज का आयोजन हुआ। सभी साथियों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभनपुर, लांजी, कवर्धा, बस्तर, कोंडागांव, डोंगरगढ़, मोहला-मानपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों से मित्र शामिल हुए।

स्थानीय स्वयंसेवकों ने स्वागत, सजावट, भोजन और मंच संचालन में अहम भूमिका निभाई। आयोजन में अनंता द्विवेदी, दीपमाला वासनिकर, पुष्पा बोरकर, रीमा रावटे, रागिनी यादव, कुसुम, प्रीति सारले, राजेश देवांगन, अशोक यादव, सुरेश साहू, श्यामलाल खरे और छबिलाल उइके सहित कई साथी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन कीरत कुमार गणवीर ने किया और सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पटेल समाज की बैठकः सामाजिक कार्यक्रमों में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने लिया निर्णय

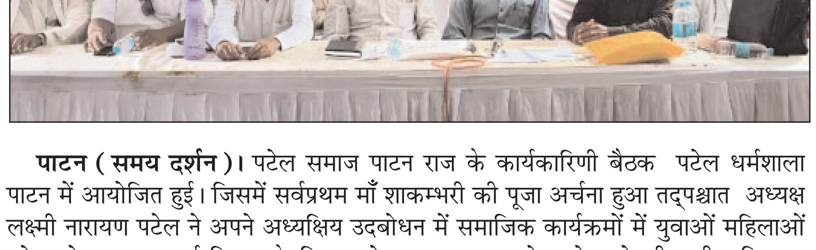

पाटन (समय दर्शन)। पटेल समाज पाटन राज के कार्यकारिणी बैठक पटेल धर्मशाला पाटन में आयोजित हुई। जिसमें सर्वप्रथम माँ शाकम्भरी की पूजा अर्चना हुआ तद्पश्चात अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल ने अपने अध्यक्षिय उदबोधन में समाजिक कार्यक्रमों में युवाओं महिलाओं को आगे आना, आदर्श विवाह के लिए प्रत्येक ग्राम समाज को आगे आने की अपील किया।

इस अवसर पर पाटन राज अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल,दुर्ग जिलाध्यक्ष आत्माराम पटेल,संरक्षक गौकरण पटेल,गणेश पटेल,दुर्ग राज अध्यक्ष गया पटेल एवं टीम,रायपुर राज अध्यक्ष राजकुमार पटेल एवं टीम पाटन राज से उपाध्यक्ष हुलेश्वर पटेल,तीरथ पटेल,सचिव डॉ शंकर पटेल,कोषाध्यक्ष, रामबदन पटेल,प्र.उ.पवन पटेल, गेंदलाल, धनेश्वर, योगेश, जयकुमार, नरसिंह,अनिल,विनय,नीलेश,गौतम,बीरेंद्र पटेल, महिला प्रकोष्ठ से अध्यक्ष हेमलता पटेल,योगिता पटेल, रीना पटेल,जानकी पटेल सीता पटेल एवं टीम उपस्थित रही एवं पाटन राज के समस्त ग्राम प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित रहें।।

न्यायालय श्री वैभव घृतलहरे, व्यवहार न्यायालय वरिष्ठ श्रेणी सरायपाली, जिला - महासमुंद (छ.ग.)

सूचना/ईश्तहार

उत्तराधिकार वाद कमांक- 06/2025
पेशी दिनांक 15/09/2025
प्रोसेस नंबर- 81/2025

घनश्याम यादव उम्र 19 वर्ष पिता स्व. श्री शंकर कुमार यादव निवासी ग्राम उमरिया, पोस्ट-भंवरपुर थाना-सरायपाली तहसील बसना जिला-महासमुंद (छ.ग.)...............वादी

बनाम

1. ना.ब. अनिरूद्ध यादव उम्र 13 वर्ष पिता स्व. श्री शंकर कुमार यादव की ओर से वाली माता यशोदा पति स्व. श्री शंकर कुमार यादव 02. यशोदा उम्र 42 वर्ष पति स्व. श्री शंकर कुमार यादव दोनों निवासी ग्राम उमरिया, पोस्ट भंवरपुर थाना सरायपापली तहसील बसना जिला-महासमुंद (छ.ग.)'

03. शाखा प्रबंधक, भारतीय जीवन बीमा निगम सरायपाली

04. आम जनता (जो इससे संबंध रखता हो)............प्रतिवादीगण

मुहर

श्री वैभव घृतलहरे,
व्यवहार न्यायालय वरिष्ठ श्रेणी
सरायपाली, जिला - महासमुंद (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

मैं शैला ज़मीर पति ज़मीर उद्दीन, उम्र 39 वर्ष, पता 5/एफ, स्ट्रीट 30/ए, सेक्टर 7, सिविक सेंटर भिलाई, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490006 में निवासरत हूं, मेरे आधार कार्ड तथा मेरे पैन कार्ड क्रमांक में मेरा नाम शैला ज़मीर (Shaila Zameer) दर्ज है। मेरे पासपोर्ट क्रमांक में मेरा नाम शैला बशीर (SHAILA BASHIR) दर्ज है। मेरे पासपोर्ट में दर्ज मेरा नाम शैला बशीर (SHAILA BASHIR) तथा मेरे पैन कार्ड एवं आधार कार्ड में मेरा नाम शैला ज़मीर (SHAILA ZAMEER) यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति का अर्थात मेरा नाम है। मेरे द्वारा अपना पुराना नाम शैला बशीर (SHAILA BASHIR) को त्याग कर अपना नया नाम शैला ज़मीर (SHAILA ZAMEER) रख लिया है तथा भविष्य में मुझे मेरे नए नाम से ही पुकारा जाता है। मेरे समस्त दस्तावेजों में तथा शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम शैला बशीर (SHAILA BASHIR) से बदलकर मेरा नया नाम शैला ज़मीर (Shaila Zameer) दर्ज करने तथा पढ़ा एवं समझे जाने के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

//न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव//

// उदघोषणा-पत्र //

रा.प्र.क्र.
ब/-121/2024-25
ग्राम - केशरूवाडीह, प.ह.नं. 10

एतद द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम केशरूवाडीह वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक आवेदिका श्री/श्रीमती/कु. चितरेखा पिता नोहर साहू जाति तेली निवासी ग्राम केशरूवाडीह तहसील जरहागांव, जिला मुंगेली छ.ग. द्वारा अपने स्वयं के जन्म दिनांक.. 05.10.1995 को ग्राम पंचायत केशरूवाडीह में दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अतः इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 30/8/2025 को प्रातः 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/7/2025 को मेरे उस्ताक्षर एवं न्यायालयः की मुद्रा को अधीन जारी किया गया।

मुहर

कार्यपालिक दंडाधिकारी
जरहागांव

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली, जिला महासमुन्द

रा.प्र.क्र. 202506120500056, ब-121 वर्ष 2024-25
ग्राम सरायपाली तहसील सरायपाली

राकेश बंछोर पिता सुदर्शन, निवासी वार्ड नंबर सरायपाली तहसील सरायपाली
जिला महासमुंद (छ.ग.).......आवेदक
बनाम
1 विष्णु अग्रवाल पिता सत्यनारायण,निवासी वार्ड नंबर 12 सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द (छ. ग.)
2- दिलीप अग्रवाल पिता गोवर्धन अग्रवाल,निवासी वार्ड नंबर 3 सरायपाली तहसील सरायपाली, जिला महासमुन्द (छ. ग.).......अनावेदकगण

आदेश (पारित दिनांक 26.6.25)

प्रकरण का स्वरूप इस प्रकार है कि आवेदक राकेश बंछोर पिता सुदर्शन निवासी ग्राम वार्ड नंबर 1 आंबेडकर नगर 100 बिस्तर अस्पताल सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा किसान किताब पट्टा दिलाये जाने के संबंध में निम्नानुसार आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **1**-आवेदक के नाम नगरपालिका परिषद सरायपाली, प.ह.नं. 14 रा. नि. म.एवं तहसील सरायपाली जिला महासमुंद छत्तीसगढ़ ने दर्ज भूमि खसरा नंबर 35/10 रकया 0.007 हे. अर्थात 1000 वर्गगुट भुमि के बावत भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका भाग एक एवं दो किसान किताब जारी की गई है। **2**- अनावेदकगण के द्वारा सौदा तय करने के बहाने आवेदक के किसान किताब पट्टा की अपने पास अप्राधिकृत रूप से रख लिये है तथा आवेदक की उपरोक्त भूमि को अन्य व्यक्तियों के पास विक्रय करने का सौदा कर रहे है तथा अनावेदक का काम भूमि का दलाली करना है। **3**- आवेदक के द्वारा अनावेदक को अपनी भूमि का पट्टा मांग करने पर भी नहीं दे रहे है जिस कारण ऋण पुस्तिका क्रमांक पी.0145023 को अनावेदक से दिलाने के संबंध में थाना सरायपाली पुलिस को दिनांक 20/03/2025 को लिखित आवेदन देकर पावती जी गई है उसके बाद भी आज तक पट्टा अप्राप्त है। **4**-अनावेदकगण से आवेदक की किसान किताब पट्टा को मंगाकर आवेदक को दिलाया जावे अन्यथा विकल्प मै किसान किताब पट्टा की द्वितीय प्रति बनाने के लिए न्यायालय में इस आवेदन को पेश करने की आवश्यकता हुई है आवेदक का आवेदन स्वीकार करते हुए आवेदक को उसका पटटा अनावेदकगण से मंगाया जाकर आवेदक को दिलाया जाये अन्यथा विकल्प में आवेदक के नाम पर पटटा की द्वितीय प्रति बनाने का निवेदन किया गया है।

प्रकरण दर्ज कर अनावेदकगण के उपस्थिति हेतु नोटिस जारी किया गया। अनावेदकगण द्वारा निम्नानुसार जवाब प्रस्तुत किया गया है कि 1- आवेदन पत्र में उल्लेखित कंडिका **01** का कथन वास्तविकता के विपरीत होकर गलत होने से स्वीकार नहीं है। **2**- आवेदन पत्र में उल्लेखित कॉडिका 02 का कथन वास्तविकता के विपरीत होकर गलत होने से स्वीकार नही है। सत्य यह है कि आवेदक राकेश बंछोर एव उसकी बहन पूनम सागर के द्वारा अपने स्वामित्व व आधिपत्य एवं निस्तार परिषर में निर्मित मकान मय मलमा को अनावेदक के पास विक्रय करने का पक्का सौदा तय कर बतौर बयाना के रूप में विक्रय रकम प्राप्त करते हुए उसकी लिखा पढ़ी कर मुल किसान किताब अनावेदकगणों को प्रदान किया गया था। उसके उपरान्त अनावेदक पक्ष को नुकसान पहुँचाने एवं प्राप्त विक्रय रकम को हड़प करने के नियत से षडयन्त्र पुर्वक मिथ्या कथन कर न्यायालय तहसीलदार सरायपाली के समक्ष किसान किताब की द्वितीय प्रतिलिपि प्राप्त करने हेतु आवेदन पेश की गई थी। जिसके आधार पर तहसीलदार सरायपाली के द्वारा जांच प्रतिवेदन पचनामा सहित प्राप्त कर आवेदक/शिकायतकर्ता राकेश बंछोर एवं उसकी बहन पूनम सागर की ओर से प्रस्तुत आवेदन पत्र गलत पाये जाने से नामंजूर कर दी गई। जिसकी प्रमाणित प्रतिलिपि छायाप्रति पेश है। **3**- आवेदन/शिकायत पत्र में उल्लेखित कंडिका 03 का कथन गलत होने से स्वीकार नहीं है। शिकायतकर्ता / आवेदक के द्वारा अनावेदक पक्ष से आवेदित भूसम्पत्ति को विकय की गई विकय प्रतिफल वापस किये बिना भयादोहन करने हेतु झूठी शिकायत पेश की गई है। **4**- शिकायत पत्र / आवेदन पत्र दिनांक 01/04/2025 का कंडिका विधि अनुकुल नहीं होने से स्वीकार नहीं है क्योंकि आवेदक शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से अनावेदकगणों से प्राप्त विक्रय प्रतिफल को वापस करने से वंचित करने के भेद से झुठा आवेदन पत्र पेश किया गया है। जवाब स्वीकार कर शिकायकर्ता का शिकायत आवेदन निरस्त किये जाने का निवेदन किया गया है।

उभय पक्ष का मौखिक तर्क सुना गया। उभयपक्ष के अधिवक्तागणों का तर्क एवं प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों के परिशीलन उपरांत मै इस निष्कर्ष पर पहुंचती हू कि:-
आवेदक राकेश बंछोर पिता स्व. सुदर्शन बंछोर निवासी वार्ड कमांक 01 अम्बेडकर नगर सरायपाली तहसील सरायपाली जिला महासमुंद के द्वारा ग्राम सरायपाली में स्थित भूमि खसरा नंबर 35/10 रकबा 0.07 हे. का किसान किताब जारी की गई थी। जिसे अनावेदकगण द्वारा अप्राधिकृत रूप से रख लिये जाने से जारी किसान किताब को प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अनावेदकगण द्वारा अपने जवाब में भूमि विक्रय करने का पक्का सौदा तय कर बतौर बैनामा के रूप में विक्रय रकम प्राप्त करते हुए आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य लिखा पढी की गई है। आवेदक द्वारा भी उभयपक्ष के मध्य में रूपये के लेन देन के संबंध में लिखा पढी होना स्वीकार किया है। उभयपक्ष के मध्य रूपये के लेनदेन को लेकर विवाद है। उभयपक्ष के मध्य रूपये के लेन देन के विवाद होने के कारण सुनने का क्षेत्राधिकार इस न्यायालय को नही है। आवेदक का आवेदन इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।

आज दिनांक 26/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से आदेश पारित किया गया।

मुहर

(नम्रता चौबे)
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सरायपाली

आयुक्त सुमित अग्रवाल का पुलगांव में औचक निरीक्षण, सड़क-नालियों की सफाई पर दिए कड़े निर्देश

ठेले-खोमचे और अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई,व्यापारिक प्रतिष्ठानों को गीला-सूखा कचरा अलग रखने के निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आज सुबह पुलगांव क्षेत्र सहित आसपास के वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य शहर की सफाई व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं का जायजा लेना था।

निरीक्षण में सामने आई समस्याएं

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कई जगहों पर सड़कों और गलियों में गंदगी, नालियों के किनारे जमी घास, और यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले ठेले व खोमचे देखे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

शहर की सड़कों और गलियों को स्वच्छ व व्यवस्थित रखना हमारी प्राथमिकता है। नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए।इस दौरान अधिकारी स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्र,उपअभियंता विकास दमाहे, कर्म शाला अधीक्षक शोएब अहमद,पार्षद अश्वनी निषाद,गौतम साहू सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। आयुक्त ने विशेष रूप से नालियों और सड़कों की सफाई को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने सड़क व नालियों के आसपास उगी अनावश्यक घास को तुरंत काटने और वार्डों के भीतर गली-मोहल्लों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कुछ दुकानदारों ने दुकान के बाहर साइन बोर्ड, ठेले और खोमचे लगाकर फुटपाथ और सड़क का हिस्सा घेर लिया है। आयुक्त ने ऐसे अवैध अतिक्रमणों को हटाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयुक्त अग्रवाल ने सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कचरा केवल निगम की गाड़ियों को ही दिया जाए और उसका निपटान 'स्वच्छता दीदी' के माध्यम से किया जाए।

संक्षिप्त-खबर

श्रीराम और श्रीकृष्ण की भक्ति से सराबोर हुई महेश कॉलोनी पहले दिन 1 हजार से ज्यादा श्रद्धालु रामायण का पाठ करने उपस्थित हुए

दुर्ग (समय दर्शन)। राधाकृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी, दुर्ग भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर हो गई है। यहां पर एक ओर नवधा रामायण का पाठ चल रहा है तो दूसरी ओर मंदिर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारी चल रही हैं। कॉलोनी में नवधा पारायण रामायण पाठ की शुरुआत सोमवार से हो गई है। जोधपुर से विशेष रूप से पाठ को कराने वाले पं. गोपाल आसोपा और पं. सुशील आसोपा ने श्रद्धालुओं को नवधा पारायण रामायण का सामूहिक पाठ शुरू कराया। पहले दिन उपस्थित करीब 1 हजार से अधिक भक्तों ने बालकांड की चौपाइयों का पाठ किया। इस अवसर पर भगवान श्रीराम के भजनों की प्रस्तुति पर भक्त भावविभोर होकर झूमते रहे। पहले दिन नाम वंदना और शिव पार्वती विवाह के प्रसंग भी सुनाया गया। दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ रामायण पाठ शाम 6.30 बजे तक चलता रहा। इस बीच भक्तों के लिए शाम 4.30 बजे कुछ समय के लिए विराम देकर स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। आखिर में रामायण जी की आरती की गई। मंदिर समिति के प्रमुख चतुर्भुज राठी ने बताया कि रामायण पाठ रोजाना दोपहर 2 से 6.30 बजे तक चल रही है। उन्होंने बताया कि पाठ में आने वाले भक्तों के लिए क्रमवार रामायण ग्रंथ उपलब्ध कराया जा रहा है। पहले दिन बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर सामूहिक पाठ किया। मंगलवार की दोपहर से बालकांड से ही पाठ की शुरुआत की जाएगी। समिति ने रामायण पाठ में ज्यादा से ज्यादा सनातनप्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

आयोजन में श्री विष्णु महायज्ञ की शुरुआत भी हो गई है। सुबह यज्ञाचार्य पं. पवन द्विवेदी के सानिध्य में विद्वान पंडितों द्वारा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आह्वान कर यज्ञ शुरू कराया गया। पूजा विधि सुबह 7.30 बजे से शुरू की गई और दोपहर 2 बजे तक महायज्ञ में आहुतियां समर्पित की गई। महायज्ञ 18 अगस्त तक रोजाना सुबह 7.30 बजे से शुरू होगा।

बुधवारी वीआईपी रोड पर हुआ हादसा, तेज रफ्तार कार ने कई बाइक सवारों को मारी टक्कर

कोरबा (समय दर्शन)। आईटीआई से बुधवारी जाने वाला वीआईपी रोड एक बार फिर हादसे का गवाह बना। रविवार देर शाम अंधरीकछार स्कूल के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चला रहे एक चालक ने सड़क पर जा रहे कई मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मार दी। घटना से मौके पर अफ्रा-तफ्री मच गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार को जब्त कर थाने ले गई। हादसे में घायल सभी व्यक्तियों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क पर अक्सर तेज रफ्तार वाहन दौड़ते हैं और पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से वीआईपी रोड पर स्पीड कंट्रोल के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

दो बाइक आपस में टकराई, एक युवक की मौके पर मौत, एक युवक गंभीर, पाटन ब्लॉक के अमेरी के पास हुई घटना

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम बटंग के तीन युवक एक बाइक में अमेरी को तरफजा रहे थे। तभी अमेरी के पास विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बाइक से टकरा गई।

दोनों बाइक तेज रफ्तार में थी। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हुलेश यादव 19 वर्ष का मौके पर मौत हो गया। वहीं एक अन्य युवक शेखर यादव गंभीर रूप से घायल है। निजी अस्पताल के आई सी यू में भर्ती है। तीसरे युवक की हल्की चोट आई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

निगम सीमा क्षेत्र में पशुवध गृह एवं मांस विक्रय दुकानें बंद रहेगी

दुर्ग(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग के आदेशानुसार नगर पालिक निगम सीमा के अन्तर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस विक्रय की दुकानें अगस्त माह के 15,16,27 अगस्त एवं 3 सितम्बर और 6 सितम्बर में बंद रहेगी। शासन से जारी आदेश के बाद आयुक्त सुमित अग्रवाल ने अधिकारी/कर्मचारियों को निर्देश किया कि नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र के अंतर्गत संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस बिकी की दुकानें निम्नानुसार पर्व में बंद रखा जावें।

धान बिक्री और योजनाओं के लाभ के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन अनिवार्य

रायपुर (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से दिलाने के लिए एकीकृत किसान पोर्टल को अब एग्रीस्टैक पोर्टल से जोड़ा गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सभी किसानों को इस पोर्टल पर पंजीयन कराना जरूरी होगा। जिन किसानों ने पहले धान बेचने के लिए पंजीयन कराया था, उन्हें भी संशोधन या कैरी फारवर्ड से पहले एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। बिना एग्रीस्टैक पंजीयन के कोई भी किसान धान विक्रय के लिए पात्र नहीं होगा। यह पंजीयन किसान नजदीकी लेम्प्स (सहकारी समिति) या ग्राहक सेवा केंद्र में निःशुल्क करवा सकते हैं।

कृषक उन्नति का मिलेगा लाभ

एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीकृत किसानों को कृषक उन्नति योजना का भी लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत पिछले खरीफ में पंजीकृत किसानों को, जिन्होंने धान की जगह अन्य खरीफ फसलें लगाई थीं और उनकी गिरदावरी में पुष्टि हुई है, उन्हें प्रति एकड़ 11,000 रुपये की दर से आदान सहायता राशि दी जाएगी। वहीं, यदि किसान दलहन, तिलहन, मक्का, लघु धान्य (जैसे कोदो, कुटकी, रागी) या कपास की खेती करते हैं, तो उन्हें प्रति एकड़ 10,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी, बशर्ते कि पंजीयन और गिरदावरी दोनों सही हो। किसानों से अपील की गई है कि वे शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जल्द से जल्द एग्रीस्टैक पोर्टल में अपना पंजीयन करवाएं। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है और किसानों की सुविधा के लिए नजदीकी केंद्रों पर उपलब्ध है।

गौरतलब है कि कि एग्रीस्टैक एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों की समस्त जानकारी जैसे पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, कर्ज, फसल की जानकारी, और बीमा इतिहास आदि को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इकट्ठा करना है। हर किसान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान यानी किसान आईडी मिलेगी, जो उनके आधार से लिंक होती है।

एग्रीस्टैक पोर्टल का उद्देश्य किसानों और कृषि नीति निर्माताओं को एक डिजिटल छतरी के नीचे लाना, खेती-किसानी के डेटा का डिजिटाइज़ेशन करना करने के साथ ही सरकारी योजनाओं की पहुँच तेज और सटीक बनाना है। इससे किसानों, सरकारी विभागों और एग्रीटेक कंपनियों के लिए डेटा-संचालित सेवा देना, फसल, भूमि, मौसम, मिट्टी, उत्पादन और वित्त संबंधी जानकारी एक जगह उपलब्ध होगी।

हमारा धरोहर ही हमारी पहचान है, जिसकी रक्षा और सम्मान के लिए हम सब एकजुट हैं-बालेश्वर साहू

बिर्रा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक पर्व भोजली बिर्रा भोजली पर्व के इतिहास में भव्य शोभायात्रा के साथ राऊत नाच पार्टी और गढ़वा बाजा के साथ हजारों की संख्या में भोजली बोएं माताओं बहनों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। शोभायात्रा संजयनगर ठाकूरदेव मुहल्ले बिर्रा बस स्टैंड चौक भाठापारा कंकालीन मंदिर मुख्य मार्ग चंडी देवी मंदिर होते हुए कहार मुहल्ला से राजमहल बिर्रा पहुंची जहां ग्राम बैगा और महल की बहुरानियों ने पूजा अर्चना करते हुए परिक्रमा की। राजमहल बिर्रा स्थिति राम सप्ताह चौक पर सभी भोजली उठाएं माताओं बहनों के भोजली की चयन समिति द्वारा च्यवन किया गया। तत्पश्चात घनवासागर में भोजली विसर्जित किया गया।सभी माताएं सर्वप्रथम देवी स्वरूप भोजली को दाऊ बाबा में चढ़ाकर एक दुसरे को भोजली बांटकर भोजली महोत्सव में सहभागिता निभाया।इस बार ग्राम पंचायत बिर्रा, भोजली महोत्सव समीति और व्यापारी बंधुओं द्वारा विशाल भोजली महोत्सव में विशेष आकर्षण पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया।इस

अवसर पर जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, कुमारी साहू, जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह छोटू बाबा, सरपंच श्रीमती पिलीबाई एकादशिया साहू,पं गीता प्रसाद तिवारी,विजय बहादूर सिंह,अर्जून पांडेय,श्रवण कुमार कश्यप,अभिराम कश्यप,रामनारायण थवाईत,निलाम्बर सिंह,रामकुमार देवांगन, लखनलाल देवांगन,सम्मेलाल यादव ,सौखीलाल पटेल, नरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। भोजली महोत्सव पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक पर्व भोजली पर्व हमारा धरोहर है और इसकी पहचान को जीवित रखने में आज ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत ही भव्य आयोजन होना बहुत बड़ी बात है।इस पहचान को बनाए रखना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है इसके लिए हम सब को एकजूटता का परिचय देना होगा।वही जिला पंचायत सदस्य एवं सभापति मोहन कुमारी साहू ने कहा कि भोजली देवी के स्वरूप और हरियाली का प्रतीक है। इतना विशाल संख्या में माताओं बहनों ने बड़ी श्रद्धा भक्ति के साथ भोजली माता की सेवा की और परम्परा को बनाएं रखा इसके लिए बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। कार्यक्रम को जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह छोटू बाबा,गीता प्रसाद तिवारी और श्रवण कुमार कश्यप ने भी संबोधित किया।विशाल भोजली महोत्सव में इस बार बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत और व्यापारी बंधुओं ने नगद राशि से पुरस्कृत किया जिसमें सर्वश्रेष्ठ भोजली पर प्रथम पुरस्कार अंजलि यादव को दीपक लोहा दुकान की ओर से 5000 रूपये व एकांश पटेल की ओर से स्मृति चिन्ह मोमेंट्स भेंटकर सम्मानित किया। वहीं अन्य सभी शामिल भोजली महोत्सव में 50 प्रतिभाओं को ग्राम पंचायत बिर्रा, गौरी फाईनेंस की ओर से नगद राशि प्रदान किया गया।तथा शुभम् थवाईत डेलीनिड्स बिर्रा द्वारा गिफ्ट पैक दिया गया।कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र तिवारी ने किया। भोजली महोत्सव को सफल बनाने सरपंच प्रतिनिधि एकाशिया साहू,मणीलाल कश्यप,सचिव रोहित पटेल, कृष्णा साहू, उपसरपंच श्रीमती विमला गोपाल कश्यप, भोलाराम देवांगन,एकांश पटेल, सौरभ देवांगन, धनसाय कश्यप, खेदू राम, छतबाई कर्ष, विमला चौहान,राहूल कश्यप, बुद्धेश्वर देवांगन,जगदीश प्रसाद बंजारे, राधे केशरवानी, राजेश्वरी कमला कटकवार, छोटेलाल केंवट,हेमंत साहू, रमेश कुमार साहू, जागेश्वर कहरा,मोहन साहू,प्रदीप साहू, मोहनलाल यादव सहित पंचगण व बड़ी संख्या में ग्रामीण व पुलिस थाना स्टाप का विशेष सहयोग रहा।

शिवनेरी स्वागत द्वार एवं शिवाजी महाराज की प्रतिमा का भूमि पूजन एवं शिलान्यास सम्पन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्रपति शिवाजी स्मारक समिति, दुर्ग द्वारा बहुप्रतीक्षित शिवनेरी स्वागत द्वार एवं छत्रपति शिवाजी महाराज की विशाल प्रतिमा निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह ग्राम अंजोरा (ख) में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व केबिनेट मंत्री जागेश्वर साहू, दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष योगेंद्र बेलचंदन एवं जनपद के पूर्व अध्यक्ष मोहन लाल हरमुख मंच पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि भूपेश बघेल ने अपने संबोधन में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, युद्धनीति, मातृ एवं गुरु-प्रेम, समाज और धर्म के प्रति उनकी निष्ठा पर अनेक प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने

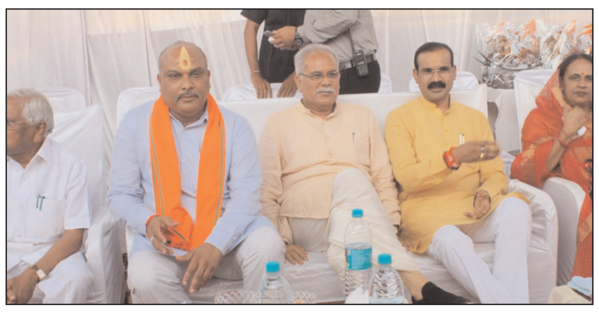

शिवाजी महाराज को किसानों, महिलाओं एवं सभी धर्मों के प्रति सम्मान का प्रतीक बताते हुए, उनके विचारों को रामराज्य का आधार कहा।

अध्यक्ष ललित चन्द्राकर ने शिवाजी महाराज को राष्ट्र और धर्म के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए, स्वागत द्वार एवं प्रतिमा निर्माण के लिए संपूर्ण राशि देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने शिवाजी महाराज के सामाजिक सद्भाव एवं भेदभाव रहित समाज निर्माण के योगदान को रेखांकित किया।

जागेश्वर साहू ने उन्हें हिंद स्वराज का संस्थापक बताते हुए कहा कि वे किसी एक जाति के महापुरुष नहीं, बल्कि संपूर्ण हिंदुत्व के प्रतीक थे।

कुंवर सिंह निषाद ने शिवाजी महाराज को जनता का सच्चा राजा बताते हुए उनके विचारों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का आधार बताया और उन्हें राष्ट्रीय चेतना एवं समाज के प्रणेता के रूप में संबोधित किया।

समिति अध्यक्ष संजय देशमुख ने स्वागत भाषण दिया, जबकि आभार प्रदर्शन मोहन हरमुख ने किया तथा स्वागत एवं प्रबंधन का दायित्व समिति के संरक्षक रायसिंह धीकोला ने संभाला। समारोह का संचालन पूर्व जनपद उपाध्यक्ष महेन्द्र सिन्हा द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी सरपंच संतोष सारधी रहे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा, गोपेंद्र किशोर बेलचंदन, मराठा समाज के नेता संजय दानी, तेजबहादुर बंछोर, कौशल वर्मा, रोशन वर्मा, मातृसंघ पदाधिकारी पवन दिल्लीवाल, डॉ. नीलम देशमुख, महिला अध्यक्ष प्रीति देशमुख, कल्पना देशमुख, पुष्पा देशमुख, कौशल देशमुख, सुकदेव यादव, हेमन्त देशमुख, धनेश देशमुख, सोहन देशमुख, आशीष मेश्राम, मुकुंट बंछोर, विनोद सेन, लेखूराम साहू, मनोज पवार, सरपंच तिरगा घसीया, राम देशमुख, युवा अध्यक्ष हेमंत देशमुख, लोकेश देशमुख समेत बड़ी संख्या में समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधि एवं महिलाएं मौजूद रहीं।

इस अवसर पर ग्राम अंजोरा में उत्साह एवं श्रद्धा का अद्वितीय वातावरण देखने को मिला और उपस्थित जनसमूह ने शिवाजी महाराज के जयघोष से परिसर गूंजा दिया।

ब्रह्माकुमारी दुर्ग द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पूर्व प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति के अवसर पर संस्था के समाजिक सेवा प्रभाग द्वारा रविवार 24 अगस्त 2025 को जिला अस्पताल दुर्ग में प्रातः 9:00 बजे से 6:00 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है । इस आयोजन को सफलता पूर्वक संपन्न करने के लिए में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारी दुर्ग),ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी के सानिध्य में ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों के साथ आज मीटिंग हुई ।

उल्लेखनीय है संपूर्ण भारत में ब्रह्माकुमारीज के सभी जिला व तहसील स्तर के सेवाकेन्द्रों के द्वारा यह रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस लक्ष्य को पूर्ण करने विभिन्न स्वयंसेवी व सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जा रहा है । ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी एवं रुपाली दीदी ने मीटिंग में उपस्थित सभी भाई-बहनों से इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए अपने विचार एवं सभी के विचार इस संबंध में साझा किया एवं अंत में इस अभियान को कैसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचा कर संपन्न करना है इसकी रूपरेखा सभी को बतायीं।

निधन: शुकवारा बाई पटेल

बिर्रा। ग्राम पंचायत बिर्रा वार्ड क्रमांक 18 शांति चौक बिर्रा की प्रतिष्ठित महिला श्रीमती शुकवारा बाई पटेल (उम्र 92) का निधन हो गया है।कुछ समय से अस्वस्थ थीं।उनका अंतिम संस्कार स्थानीय बाजार चौक स्थित मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में स्वजातीय बंधु सहित बड़ी संख्या ग्रामीण शामिल हुए। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र कुशल पटेल ने दी।वे मरार समाज के पदाधिकारी डॉ कुशल पटेल और महालक्ष्मी पूजन उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ कुश पटेल की माता थी।

जनपद सदस्यों का ट्रेनिंग, आधारभूत विषय पर पाटन जनपद के 23 सदस्यों ने लिया प्रशिक्षण

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के सदस्यों का आधारभूत विषय पर तीन दिवसीय ट्रेनिंग अंजोरा ख दुर्ग में आज प्रारंभ हुआ। उक्त प्रशिक्षण में पाटन जनपद क्षेत्र के 23 जनपद सदस्य शामिल हो रहे है।।

हर घर तिरंगा के तहत प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया

भिलाईनगर (समय दर्शन)। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र के प्रति भावना और हर घर एक तिरंगा लगाने के साथ शहर को साफ-सुथरा बनाये रखने नागरिको में जन जागरूकता लाने अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में इसकी शुरूवात सुपेला घड़ी चौंक से होते हुए लक्ष्मी मार्केट तक रैली निकाला गया। इसमें सड़क किनारे फूटपाथ पर व्यवसाय करने वालो को शहर की साफ-सफाई में विशेष योगदान देने प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने हेतु जागरूक किया गया। फल एवं ठेला संचालकों द्वारा प्लास्टिक उपयोग करने पर जप्ती की कार्यवाही कर समझाइस दिया गया है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल शहर के नागरिकों को प्लास्टिक मुक्त अभियान में सहयोग करने हेतु अपील विशेष किए हैं । हम सभी को अपने जीवन के हर एक गतिविधियों में प्लास्टिक का बहिष्कार करना है, जिससे आने वाले समय में प्लास्टिक के भयावह दुष्परिणाम से बचा जा सके। हम सभी प्लास्टिक से दूरी बनाकर अपने जीवन को सुखमय एवं स्वास्थ्य पूर्ण बना सकते हैं। 7 अगस्त से चल रहे हर घर तिरंगा एवं हर घर स्वच्छता अभियान में प्रति दिवस की गतिविधि अलग-अलग है।

जागरूकता रैली में जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, कमलेश द्विवेदी, अतुल यादव, पीआईयू, अभिनव ठोकने, सुभम पाटनी, एल.एल.आर.एम. सेंटर की महिलाए एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27